सुविचार

जीवन में आपको रोकने-टोकने वाला कोई है तो उसका एहसान मानिए, क्योंकि जिन बागों में माली नही होते, वो बाग जल्दी ही उजड़ जाते हैं।

प्रथम न्यूज़

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

जालंधर, वर्ष:16 अंक : 172 | दिनांक : मंगलवार, 23 जून 2026 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

वैभव सूर्यवंशी का साथ छोड़ेगा यह धाकड़ बल्लेबाज ?...

» पृष्ठ 7 पर

लखनऊ के कोचिंग सेंटर में भीषण आग, 15 छात्रों की मौत

बाथरूम में छिपे युवाओं का घुटा दम, ऊपर से कूदने वालों के पेट में घुसी ग्रिल

» प्रथम न्यूज । लखनऊ

22 जून (ब्यूरो)

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को हुए एक भीषण अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। शहर के एक कोचिंग सेंटर में अचानक लगी आग में अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों में अधिकांश छात्र शामिल हैं, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगने के कुछ ही मिनटों के भीतर पूरे भवन में घना धुआं फैल गया। अचानक मची अफरा-तफरी के बीच कई छात्र सुरक्षित बाहर निकलने का रास्ता नहीं खोज पाए। घबराए हुए कुछ छात्रों ने बाथरूम में शरण ली, लेकिन वहां भी धुएं और जहरीली गैसों का असर इतना अधिक था कि उनका दम घुट गया। यह हादसा कई परिवारों के लिए जीवनभर का दर्द बन गया है। जान बचाने के लिए कुछ छात्रों ने इमारत की छत और खिड़कियों से छलांग लगा दी। इस दौरान कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें छात्रों को जान बचाने के लिए संघर्ष करते देखा जा सकता है। घायलों को तत्काल विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

फायर विभाग और पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कोचिंग सेंटर के एक कमरे में लगे एयर कंडीशनर (ृष्ट) में तकनीकी खराबी के कारण शॉर्ट सर्किट हुआ हो सकता है। इसके बाद आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते पूरे फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि प्रशासन ने घटना की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए हैं और वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की टीम गठित की गई है।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर भवन के भीतर फंसे लोगों को बाहर निकाला। अधिकारियों के अनुसार, कई छात्रों को बेहोशी की हालत में निकाला गया, जबकि कुछ ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भवन में पर्याप्त अग्निशमन उपकरण, धुआं निकासी व्यवस्था और आपातकालीन निकास की सुविधा होती, तो इतनी बड़ी जनहानि को रोका जा सकता था। हादसे के बाद प्रशासन ने शहर के अन्य कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच शुरू कर दी है।

छटपटाने लगे बच्चे, ऊपर से कूदे, ग्रिल पेट में धंस गई

आग इतनी भीषण थी कि आसपास मौजूद लोगों के लिए भीतर जाना संभव नहीं था। दमकल को पहुंचने में भी काफी समय लग गया। ऊपर फंसे बच्चे चीख-पुकार कर रहे थे और बाहर मौजूद लोग बेबस थे। इस बीच एक के बाद एक चार-पांच बच्चों ने छलांग लगा दी। इनमें एक बच्चा नीचे लगी ग्रिल पर गिर गया, जिसकी सरिया उसके पेट में धंस गई। सभी घायलों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

40 मिनट बाद पहुंची दमकल की टीम

आसपास के लोगों में घटना को लेकर काफी आक्रोश था। उनका कहना था कि हादसे के करीब 40 मिनट बाद दमकल की टीम पहुंची। तब तक आग पूरी बिल्डिंग को चपेट में ले चुकी थी। जब आग पर काबू पाया गया, तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। राजधानी में दमकल के इतनी देर से पहुंचने पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अवैध बिल्डिंग, निकलने का दूसरा रास्ता तक नहीं

बिल्डिंग से बाहर निकलने का दूसरा रास्ता तक नहीं था। तीनों तरफ अन्य इमारतें बनी हैं। स्पष्ट है कि बिल्डिंग अवैध है। यही वजह है कि आग लगने पर वहां फंसे लोगों को बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिला।

वहां फंसे पांच-छह लोग किसी तरह खिड़की का कांच तोड़कर बाहर निकले।

संक्षिप्त न्यूज

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने दिया इस्तीफा

दो साल से भी कम समय में खत्म हुआ कार्यकाल

लंदन (एजेंसी)- लेबर पार्टी के अंदर मची उथल-पुथल के बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के साथ डाउनिंग स्ट्रीट में एक और छोटे कार्यकाल का अंत हो गया। हाल के वर्षों में ब्रिटेन में पीएम पद के छोटे-छोटे कार्यकाल का सिलसिला जारी है, अब स्टार्मर भी इस लिस्ट में शामिल हो गए हैं। डाउनिंग स्ट्रीट से जारी आधिकारिक बयान में स्टारमर ने कहा कि उन्होंने अपने फैसले की जानकारी किंग को दे दी है। उन्होंने साफ किया कि अगले प्रधानमंत्री के चुने जाने तक वह पद पर बने रहेंगे।

कई राजनीतिक झटकों, घटते समर्थन और लेबर पार्टी के भीतर से नेतृत्व परिवर्तन की तेज मांगों के बाद स्टार्मर के भविष्य को लेकर पिछले कई हफ्तों से अटकलें लगाई जा रही थीं। 2024 के आम चुनाव में लेबर पार्टी को भारी बहुमत दिलाने वाले स्टार्मर ने कंजर्वेटिव पार्टी के 14 साल के शासन का अंत किया था।

शुरुआती दिनों में उनकी सरकार को जनता का जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ, लेकिन बाद में अर्थव्यवस्था की चुनौतियां, सार्वजनिक सेवाओं में गिरावट और पार्टी के अंदर बढ़ते मतभेदों ने उनकी सरकार को घेर लिया।

61 साल के स्टारमर जुलाई 2024 में ब्रिटेन के 58वें प्रधानमंत्री बने थे। चुनाव में जीत के बाद अपने पहले संबोधन में उन्होंने अपने पूर्ववर्ती ऋषि सुनक की तारीफ की थी और उनके नेतृत्व और मेहनत की सराहना की थी। स्टारमर ने बदलाव लाने और ठोस नतीजे देने का वादा किया था, लेकिन अलग-अलग मोर्चों पर आई चुनौतियों ने उन्हें इस्तीफा देने को मजबूर कर दिया।

कतर के गैस प्लांट में भीषण धमाका, 12 भारतीय नागरिकों की मौत

एजेंसी। कतर

कतर के रास लाफान औद्योगिक शहर में एक फैक्टरी में हुए धमाके में मारे गए 13 लोगों में 12 भारतीय शामिल हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारतीय दूतावास ने बताया कि इस घटना में घायल हुए सभी लोगों की हालत स्थिर है और उन्हें उचित इलाज मिल रहा है।

दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 卐कतर के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि रविवार रात रास लाफान में हुए हादसे में 12 भारतीय नागरिकों की मौत हो गई।卍 पोस्ट में कतर के अधिकारियों के हवासे कहा गया है कि धमाके में घायल लोगों का उचित इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत स्थिर है। दूतावास इस घटना से प्रभावित भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों को हर संभव मदद मुहैया कराने के लिए कतर के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसमें यह सुनिश्चित करना भी शामिल है कि मृतकों के शव जल्द से जल्द भारत भेजे जाएं।

पंजाब कैबिनेट के बड़े फैसले

फीस नियंत्रण से डिजिटल गवर्नेंस तक कई मंजूरियां

विद्यार्थियों, उद्योग और प्रशासन को राहत, मान सरकार ने लिए अहम निर्णय, निजी स्कूल फीस पर सख्ती, दसूहा में नए प्रशासनिक पदों को मंजूरी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

22 जून (एएम नाथ)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में पंजाब कैबिनेट ने विद्यार्थियों, अभिभावकों, उद्योगों और आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। कैबिनेट ने निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों द्वारा फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए अध्यादेश को मंजूरी दी, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ कम करने में मदद मिलेगी।

औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से औद्योगिक रियायतों से संबंधित दिशानिर्देशों में संशोधन को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा, डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने और विभिन्न विभागों के बीच डेटा साझा करने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए स्टेट डेटा इंटीग्रेशन प्लेटफॉर्म लागू करने का फैसला लिया गया। प्रशासनिक सेवाओं की पहुंच और दक्षता बढ़ाने के लिए जिला होशियारपुर के अंतर्गत आने वाले दसुआ उपमंडल में अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) तथा सहायक स्टाफ के पद सृजित करने को भी मंजूरी दी गई। सरकार का कहना है कि इन फैसलों से सुशासन और जनसेवाओं में सुधार होगा।

निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों की फीस वृद्धि पर लगाम

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों द्वारा फीस में की जाने वाली अनावश्यक और अनुचित बढ़ोतरी को नियंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब कैबिनेट ने 'पंजाब रेगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अन-एडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस (संशोधन) अध्यादेश, 2026' को लाने को मंजूरी दे दी है।

यह अध्यादेश 'पंजाब रेगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अन-एडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस एक्ट, 2016' में संशोधन करके लाया गया है।

इस कदम का उद्देश्य फीस वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण

रखना, विद्यार्थियों और अभिभावकों को मनमानी फीस बढ़ोतरी से सुरक्षा प्रदान करना, फीसों के ढांचे में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना तथा उनके हितों की रक्षा करना है।

इन संशोधनों के तहत फीस, फीस वृद्धि और कुल फीस वृद्धि की परिभाषाओं को अधिक स्पष्ट बनाया गया है। साथ ही, निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों द्वारा वार्षिक फीस वृद्धि की अधिकतम सीमा 5 प्रतिशत तय की गई है। 5 प्रतिशत से अधिक फीस बढ़ाने के लिए संबंधित नियामक संस्था की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पूंजी सब्सिडी संबंधी दिशानिर्देशों में संशोधन

एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में कैबिनेट ने राज्य की औद्योगिक नीतियों के तहत कैपिटल सब्सिडी एवं निवेश प्रोत्साहनों के वितरण के लिए 13 नवंबर 2019 के दिशानिर्देशों में संशोधन को भी मंजूरी दी।

इन संशोधनों का उद्देश्य सब्सिडी वितरण प्रक्रिया को सरल और सुचारु बनाना, प्रशासनिक दक्षता में सुधार करना तथा पात्र औद्योगिक इकाइयों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करना है।

संशोधित व्यवस्था के अनुसार, दिशानिर्देशों की धारा 1.1 और 1.2 में छूट मिलने के बाद पात्र बनने वाली औद्योगिक इकाइयों को आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन और निर्धारित शर्तों की पूर्ति के आधार पर कैपिटल सब्सिडी जारी की जाएगी।

पंजाब में स्टेट डेटा इंटीग्रेशन प्लेटफॉर्म लागू करने को मंजूरी

राज्य के विभिन्न विभागों के अनेक डेटाबेसों को आपस में जोड़ने, किसी भी दोहराव को समाप्त करने और मौजूदा प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कैबिनेट ने पंजाब में स्टेट डेटा इंटीग्रेशन प्लेटफॉर्म (एसडीआईपी) लागू करने को मंजूरी दी है। परियोजना के सुचारु क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन-स्तरीय संचालन समिति गठित की जाएगी। इस संचालन समिति में पंजाब के मुख्य सचिव चेयरपर्सन होंगे, प्रशासनिक सचिव (गुड गवर्नेंस) मैंबर कनवीनर होंगे तथा विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिव सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

दसूहा उपमंडल के लिए एडीसी (जनरल) और सहायक स्टाफ के पदों को मंजूरी

कैबिनेट ने जिला होशियारपुर के अंतर्गत आने वाले दसूहा उपमंडल के लिए अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) तथा अन्य सहायक स्टाफ के पद सृजित करने को भी मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से क्षेत्र के उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जिन्हें जिला स्तरीय प्रशासनिक कार्यों, अनुमतियों, राजस्व मामलों तथा जन शिकायतों के निपटारे के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। इससे लोगों के समय और धन दोनों की बचत होगी तथा जनहित से जुड़े मामलों का निपटारा भी तेजी से हो सकेगा। इसलिए जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला होशियारपुर के अंतर्गत दसूहा उपमंडल में अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) सहित सहायक स्टाफ के कुल पांच पद सृजित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

हर विधानसभा क्षेत्र से शुरू होगा 'विकसित हरियाणा-2047' का सफर: सैनी

जनभागीदारी से तैयार होगा 20 वर्षों का विकास रोडमैप

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

22 जून (एएम नाथ)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-2047' संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने 'विकसित हरियाणा-2047' अभियान शुरू किया है। इस दिशा में सभी विधायकों के साथ आयोजित बैठक में 'मेरी विकसित विधानसभा' थीम पर विस्तृत चिंतन किया गया।

मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि विकसित हरियाणा की नींव प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से रखी जाएगी।

उन्होंने कहा कि अगले 20 वर्षों के लिए राज्य का व्यापक विकास रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक विधायक अपने क्षेत्र का 'विजन चैंपियन' बनकर स्थानीय समस्याओं, संभावनाओं और विकास की प्राथमिकताओं की पहचान करेगा तथा कार्ययोजना तैयार करेगा। जुलाई और अगस्त में विधायक अपने क्षेत्रों में जनसंवाद कर किसानों, युवाओं, महिलाओं, उद्योगों, स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक संगठनों से सुझाव लेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2047 तक हरियाणा की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक, प्रति व्यक्ति आय को 40 लाख रुपये से ऊपर, महिला श्रम भागीदारी को 45 प्रतिशत और महिला साक्षरता को 100 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार, जल संरक्षण और स्वच्छ पेयजल जैसे क्षेत्रों पर विशेष फोकस रहेगा।

उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी, 100 प्रतिशत टीकाकरण, नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक करने तथा हर घर तक सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य भी निर्धारित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'विकसित हरियाणा-2047' एक दीर्घकालिक जनभागीदारी आधारित विकास अभियान है, जिसकी प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू, ओएसडी श्री वीरेंद्र सिंह बड़खालसा, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक कैप्टन मनीष कुमार लोहान तथा मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीन अत्रे भी मौजूद थे।

हिमाचल में विधायक निधि बहाल; हर विधायक को विकास कार्यों के लिए पहली किस्त जारी

» प्रथम न्यूज । शिमला

22 जून (एएम नाथ)

हिमाचल सरकार ने खराब वित्तीय स्थिति के कारण बंद चल रही विधायक क्षेत्र विकास निधि को छह माह बाद बहाल कर दिया है। योजना विभाग ने प्रत्येक विधायक को 27.50 लाख रुपये की पहली किस्त जारी कर दी है। प्रदेश सरकार ने पिछले साल मानसून के दौरान आई आपदा के बाद विधायक क्षेत्र विकास निधि रोक दी थी। इस साल हर विधायक को इस निधि के तहत 1.10 करोड़ रुपये मिलेंगे। हिमाचल सरकार ने वित्तीय संकट और आपदा के दौर से उभरते हुए विधायकों के लिए राहत की खबर दी है। प्रदेश में पिछले काफी समय से बंद चल रही विधायक क्षेत्र विकास निधि को आखिरकार सरकार ने बहाल कर दिया है।

18.70 करोड़ रुपये जारी - योजना विभाग ने चालू वित्त वर्ष की पहली किस्त के रूप में सभी 68 विधायकों के लिए 18.70 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी है। मुख्यमंत्री, मंत्रियों सहित सभी विधायकों को पहली किश्त के तौर पर 27.50-27.50 लाख रुपये मिले हैं, जिसे वे अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों के विकास कार्यों पर खर्च कर सकेंगे।

निधि में कटौती भी की

वर्तमान वित्त वर्ष (2026-27) में राज्य की आर्थिक स्थिति को पटरी पर लाने के लिए सरकार ने इस निधि में कटौती भी की है। पहले जहां हर विधायक को सालाना 2.20 करोड़ रुपये मिलते थे, वहीं इस बार इसे घटाकर 1.10 करोड़ रुपये प्रति विधायक कर दिया गया है। सरकार के इस कदम से प्रदेश के सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों में रुके हुए छोटे-बड़े विकास कार्यों को दोबारा गति मिलेगी।

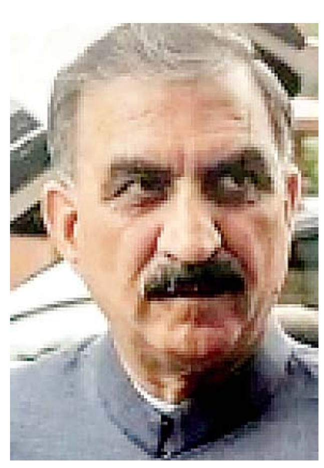

आपदा के कारण लगी थी रोक, बजट में की गई कटौती

पिछले साल मानसून के दौरान प्रदेश में आई भीषण प्राकृतिक आपदा और बाढ़ के कारण सरकार ने भारी वित्तीय नुकसान को देखते हुए विधायक निधि पर अस्थायी रोक लगा दी थी। आपदा प्रभावितों की मदद और पुनर्वास कार्यों के लिए इस राशि को डाइवर्ट किया गया था।

इस बार 4 किस्तें, पिछले साल मिली थीं दो

इस बार व्यवस्था में थोड़ा बदलाव किया गया है। हर विधायक को मिलने वाली 1.10 करोड़ रुपये की कुल राशि चार किस्तों में जारी की जाएगी, जिसकी शुरुआत पहली किश्त (27.50 लाख रुपये) से हो चुकी है। अगर पिछले वर्ष (2025-26) की बात करें तो विधायकों को 55-55 लाख रुपये की दो किस्तें मिल पाई थीं, जिसके बाद इस पर रोक लगा दी गई थी।

संक्षिप्त न्यूज

मैक्स हॉस्पिटल ने होशियारपुर में ऑन्कोलॉजी ओपीडी का शुभारंभ किया

होशियारपुर (जगमीत गुम्मन) मैक्स हॉस्पिटल, मोहाली ने सोमवार को सिटी हॉस्पिटल, होशियारपुर में अपनी विशेष ऑन्कोलॉजी ओपीडी सेवाओं के शुभारंभ की घोषणा की।

ऑन्कोलॉजी सलाहकार डॉ संदीप गुप्ता हर महीने के चौथे सोमवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक प्राथमिक परामर्श और फॉलो उप के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ गुप्ता ने कहा, कैंसर के सफल उपचार में शीघ्र निदान सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। इन ऑन्को ओपीडी सेवाओं के शुभारंभ से मरीज घर के पास ही समय पर विशेषज्ञ परामर्श, कैंसर जोखिम मूल्यांकन, संदिग्ध लक्षणों का मूल्यांकन, सेकंड ओपिनियन , उपचार योजना और फॉलो उप देखभाल प्राप्त कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य मरीजों को समय पर मार्गदर्शन प्रदान करना और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उन्नत कैंसर उपचार सेवाओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि यह ओपीडी स्थानीय समुदायों और विशेष कैंसर देखभाल सेवाओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करेगी, जिससे मरीजों को निदान,ए उपचार और फॉलो उप जांच में अधिक प्रभावी ढंग से मदद मिलेगी।

टीबीएस इंटरनेशनल स्कूल में पिता दिवस और योग दिवस मनाया गया

जीरा, 21 जून (अंग्रेज बराड़) – फिरोजपुर–मोगा रोड

पर स्थित टीबीएस इंटरनेशनल स्कूल फिरोजशाह में अध्यक्ष डॉ. हीरालाल शर्मा, उपाध्यक्ष विभोर शर्मा, प्रबंध निदेशक दीपाली शर्मा और महासचिव शिवम शर्मा के नेतृत्व में एक ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से विश्व पितृ दिवस और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम ने पिता–पुत्र के बीच बंधन और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने का एक उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने अपने पिताओं के साथ योगाभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने शारीरिक तंदुरुस्ती और मानसिक शांति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्ट्रेचिंग व्यायाम, श्वास तकनीक और अन्य योगासन किए। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों और उनके पिताओं की भागीदारी ने स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को खूबसूरती से उजागर किया और पिता–पुत्र के बीच भावनात्मक बंधन को मजबूत किया। पिताओं और उनके बच्चों के बीच आनंदमय सहभागिता और प्रेमपूर्ण क्षणों ने कार्यक्रम को जीवंत और सार्थक, स्फूर्तिदायक और सभी के लिए प्रेरणादायक बना दिया। यह वास्तव में एक यादगार सुबह थी जिसने पितृत्व का सम्मान किया और सभी को स्वस्थ जीवन के लिए दैनिक योगाभ्यास अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

10 ग्राम हेरोइन सहित 2 नशा तस्कर गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – गुरदासपुर पुलिस ने दो आरोपियों को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी

के अनुसार, थाना तिब्बड़ की पुलिस टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान अमनदीप सिंह और बलजीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान दोनों आरोपियों के कब्जे से 10 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इस सफलता के बाद पुलिस ने दोनों दोषियों के खिलाफ थाना तिब्बड़ में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(बी)–61–85 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की तफ्तीश शुरू कर दी है।

जालंधर की जनता को दशकों तक जाम में झोंकने वाली कांग्रेस बेनकाब, भाजपा ने किया वो काम जो इनके बस का नहीं थी

बस स्टैंड-गढ़ा रोड फाटक और गुरुनानक पुरा फाटक पर ओवरब्रिज मंजूर, टेंडर जारी , मोदी सरकार ने जालंधर कैंट और केंद्रीय हलके को दी बड़ी राहत

» प्रथम न्यूज । जालंधर
22 जून (शैली अल्बर्ट)

भारतीय जनता पार्टी जालंधर के प्रधान सुशील शर्मा, कैंट विधानसभा प्रभारी एवं जिला महामंत्री अशोक सरीन हिक्की तथा भाजपा महामंत्री अमरजीत सिंह गोल्डी ने जालंधर कैंट एवं केंद्रीय विधानसभा की जनता को बड़ी राहत देने वाले ऐतिहासिक फैसले पर केंद्र की मोदी सरकार का आभार जताते हुए कहा कि जालंधर की जनता को दशकों तक रेलवे फाटकों के जाम, अव्यवस्था और रोज़–रोज़ की जिल्लत में धकेलने वाली कांग्रेस अब जवाब दे कि जब सत्ता में थी तब यह काम क्यों नहीं किया?

भाजपा नेताओं ने कहा कि जालंधर बस स्टैंड–गढ़ा रोड रेलवे फाटक और गुरुनानक पुरा रेलवे फाटक वर्षों से लाखों लोगों के लिए सिरदर्द बने हुए थे। रोज़ाना लगने वाले लंबे जाम, घंटों बर्बाद होता समय, स्कूल–कॉलेज जाने वाले बच्चों की परेशानी, नौकरीपेशा लोगों की देरी, व्यापारियों का नुकसान, मरीजों और एंबुलेंस तक का फंस जाना यह सब जालंधर जनता हर दिन झेलती रही। लेकिन कांग्रेस के नेताओं को कभी जनता की इस तकलीफ की चिंता नहीं हुई, क्योंकि उनका ध्यान विकास पर नहीं, सिर्फ कुर्सी, कमीशन और परिवारवाद की राजनीति पर रहा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के प्रयासों से इन दोनों फाटकों पर 112 करोड़ की लागत से गुरुनानक पूरा B67 फाटक अमृतसर लुधियाना सेक्शन पर 49 करोड़ और गढ़ा रोड नजदीक पिम्स हॉस्पिटल बस स्टैंड के फाटक S4 पर 63 करोड़ की लागत से बनने वाले ओवरब्रिज मंजूर कर दिए गए हैं।

और इनके टेंडर भी जारी हो चुके हैं। जल्द ही केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू इन परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह फैसला सिर्फ ओवरब्रिज मंजूर होने की खबर नहीं, बल्कि कांग्रेस की निकम्मी राजनीति पर जनता की जीत और मोदी सरकार के विकास मॉडल की मुहर है।

जो कांग्रेस दशकों में नहीं कर सकी, मोदी सरकार ने कर दिखाया*

भाजपा नेताओं ने कहा कि फर्क साफ है।कांग्रेस आप ने फाटक बंद रखे, भाजपा ने रास्ते खोल दिए; कांग्रेस ने जनता को रोका, भाजपा ने शहर को आगे बढ़ाया; कांग्रेस ने फाइलें दबाईं, भाजपा ने टेंडर जारी करवाए।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की कार्यशैली सिर्फ घोषणा करने की नहीं, फैसला लेने और उसे जमीन पर उतारने की है। यही कारण है कि जालंधर कैंट और केंद्रीय विधानसभा की वर्षों पुरानी समस्या आज समाधान की दिशा में पहुंची है।

अब जालंधर की जनता कांग्रेस और से हिसाब मांगेगी

भाजपा नेताओं ने कहा कि जालंधर की जनता अब कांग्रेस से सवाल पूछ रही है कि जब इतने साल सत्ता में रहे, तब ये ओवरब्रिज क्यों नहीं बने? क्यों लाखों लोगों को रोज़ जाम में फंसने के लिए छोड़ दिया गया? क्यों बच्चों, व्यापारियों, मरीजों और आम परिवारों की तकलीफें इनकी प्राथमिकता नहीं बनीं?

उन्होंने कहा कि जिन्होंने सालों तक जालंधर को रोका, अब वे विकास पर राजनीति करने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं। कांग्रेस आम आदमी पार्टी की राजनीति सिर्फ आरोप लगाने, झूठ फैलाने और जनता को गुमराह करने तक सीमित रह गई है, जबकि भाजपा जनता के बीच खड़ी होकर एक–एक समस्या का समाधान करवा रही है।

भाजपा का वादा साफ – जालंधर की हर अटकी समस्या का समाधान होगा

सुशील शर्मा, अशोक सरीन हिक्की और अमरजीत सिंह गोल्डी ने कहा कि यह सिर्फ शुरुआत है। जालंधर कैंट और केंद्रीय विधानसभा की जनता के हर जरूरी मुद्दे – ट्रैफिक, सड़कें, रेलवे, सीवरेज, सुरक्षा, व्यापार और शहरी विकास – को लेकर भाजपा पूरी ताकत से लड़ रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति पोस्टर और प्रचार की नहीं, काम और परिणाम की राजनीति है।जालंधर की जनता ने देख लिया है कि कांग्रेस ने सालों तक सिर्फ सत्ता भोगी, जबकि भाजपा ने शहर को राहत, सम्मान और विकास देने का काम किया। अंत में भाजपा नेताओं ने कहा कि अब जालंधर में विकास रुकेगा नहीं, दौड़ेगा – और जो काम कांग्रेस की नीयत, नीति और क्षमता से बाहर थे, उन्हें भाजपा एक–एक कर पूरा करके दिखाएगी।

कांग्रेस आप ने जालंधर को जाम, झूठ और इंतज़ार दिया – भाजपा ने रास्ता, राहत और विकास दिया*

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि जालंधर पर वर्षों तक राज करने वाली कांग्रेस के नेताओं ने इस शहर को सिर्फ भाषण, बहाने और बोर्डों तक सीमित रखा। चुनाव आते ही विकास की बड़ी–बड़ी बातें, लेकिन चुनाव खत्म होते ही जनता को फिर उसी जाम, उसी परेशानी और उसी उपेक्षा के हवाले कर दिया जाता रहा।उन्होंने कहा कि जिन कांग्रेस नेताओं ने दशकों तक जालंधर की राजनीति की, वे यह बताएं कि बस स्टैंड–गढ़ा रोड फाटक और गुरुनानक पुरा फाटक की समस्या का समाधान करने के लिए उन्होंने कौन–सा कदम उठाया? कौन–सी मंजूरी लाई? कौन–सा टेंडर जारी करवाया? कौन–सा काम जमीन पर उतारा?सच्चाई यह है कि कांग्रेस ने जालंधर की जनता को सिर्फ झूठे सपने दिखाए, जबकि भाजपा ने फाइलों को मंजूरी तक पहुंचाकर काम शुरू करवाया।

भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस और आप के पास न नीयत थी, न नीति थी, न काम करने की क्षमता। जालंधर की जनता को अगर किसी ने वर्षों तक ट्रैफिक जाम, बदहाल सड़कों, अधूरे विकास और सरकारी सुस्ती के हवाले रखा, तो उसमें कांग्रेस की सबसे बड़ी भूमिका रही है।

सीएम भगवंत मान का अकाली दल पर हमला

पंजाब के साथ विश्वासघात को जनता नहीं भूली : मान

» प्रथम न्यूज । फरीदकोट
22 जून (ब्यूरो)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने फरीदकोट के गांव पंजगराईं कलां में आयोजित 'लोक मिलनी' कार्यक्रम के दौरान अकाली नेतृत्व और बादल परिवार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोग यह नहीं भूले हैं कि किस तरह बादल परिवार और अकाली नेताओं ने प्रदेश के हितों से समझौता किया, तीन कृषि कानूनों का समर्थन किया, धर्म का राजनीतिक इस्तेमाल किया और नशे की समस्या को बढ़ावा दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अकाली नेताओं ने अपने निजी और राजनीतिक हितों के लिए पंजाब और उसके लोगों के साथ विश्वासघात किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के जरिए पंजाब की तस्वीर बदल रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार अब तक 67,500 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दे चुकी है और भ्रष्टाचार व पक्षपात की व्यवस्था समाप्त की गई है। मान ने कहा कि पंजाब के 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है तथा किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। भगवंत मान ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना और मांवां–धीयां सत्कार योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है और अब तक 650 करोड़ रुपये से अधिक का मुफ्त उपचार दिया जा चुका है। वहीं, 1 जुलाई से महिलाओं को वित्तीय सहायता संबंधी संदेश भेजे जाएंगे। सामान्य वर्ग की महिलाओं को 1,000 रुपये और अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना से पंजाब की लगभग 97 प्रतिशत महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन अधिनियम–2026 को भी ऐतिहासिक कदम बताते हुए इसे बेअदबी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने वाला कानून बताया।

यात्रियों के लिए खुशखबरी! जालंधर सिटी समेत 7 स्टेशनों पर शुरू हुई खास सुविधा

» प्रथम न्यूज । जालंधर
22 जून (डोगरा)

रेल मंडल ने यात्री सुविधाओं के विस्तार और गैर–किराया राजस्व बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कई नए व्यावसायिक अनुबंध आवंटित किए हैं। मंडल की इस शुरूआत से यात्रियों और व्यापारियों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

इस प्रक्रिया के माध्यम से ट्रेन संख्या 04652, 14664 और 11058 में एस.एल.आर. (गार्ड वैन) लीजिंग अनुबंध सफलतापूर्वक आवंटित किए हैं। इन अनुबंधों से रेलवे को लगभग 2.68 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। इसके माध्यम से पार्सल और लगेज परिवहन सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा तथा व्यापारियों को अपने सामान की तेज, सुरक्षित और किफायती ढुलाई की सुविधा मिल सकेगी। विशेष बात यह है कि अमृतसर–न्यू जलपाईगुड़ी साप्ताहिक एक्सप्रेस (14664) में पहली बार एस.एल.आर. लीजिंग अनुबंध आवंटित किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि 7 प्रमुख स्टेशनों पर डिजिटल स्टोरेज लॉकर सुविधा उपलब्ध होगी, इनमें जालंधर सिटी, जालंधर कैंट, अमृतसर, लुधियाना, ब्यास, फगवाड़ा और फिरोजपुर स्टेशन शामिल हैं। इस सुविधा से यात्रियों को स्टेशन परिसर में ही अपने सामान को सुरक्षित रखने की आधुनिक व्यवस्था मिलेगी। वहीं, ब्यास, फिरोजपुर कैंट और फगवाड़ा रेलवे स्टेशनों पर पहली बार डिजिटल स्टोरेज लॉकर सुविधा के संचालन के लिए तीन वर्ष की अवधि का अनुबंध भी आवंटित किया है।

जालंधर में फायरिंग: होम्योपैथिक क्लिनिक पर नकाबपोशों ने चलाई गोलियां, देर रात हुई वारदात; पुलिस जांच में जुटी

» प्रथम न्यूज । जालंधर
22 जून (महेश रहेजा)

जालंधर में एक बार फिर गोलीबारी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आर्यन होम्योपैथिक क्लिनिक पर देर रात अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह जब आसपास के दुकानदार मौके पर पहुंचे तो पुलिस पहले से मौजूद थी और संबंधित क्लिनिक को बंद करवा दिया गया था। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि क्लिनिक का शटर खुला हुआ था और अंदर का शीशा टूटा मिला, जिससे फायरिंग की आशंका और मजबूत हो गई। हालांकि गोलीबारी किस समय हुई और इसके पीछे क्या कारण थे, इसका अभी खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। थाना डिवीजन नंबर–8 के प्रभारी साहिल चौधरी ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही तथ्य सामने लाए जाएंगे। साथ की दुकान चलाने वाले हरविंदर सिंह ने बताया कि गोली चलने की बात सामने आ रही है। यह स्पष्ट नहीं है कि गोली कब चली। उन्होंने कहा कि रविवार होने के कारण सभी दुकानें बंद थीं और सुबह जब वे पहुंचे तो घटना का पता चला। दुकान का शटर खुला था और अंदर शीशा टूटा हुआ मिला।

बड़े सपने और निरंतर मेहनत ही ऊंची मंजिलों तक पहुँचने का रास्ता : मुकेश वर्मा

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
22 जून (संदीप सन्नी)

जिला शिक्षा अधिकारी गुरदासपुर राजेश शर्मा और एस.सी.ई.आर.टी. की सहायक निदेशक पंजाब श्रुति शुक्ला के दिशा–निर्देशों के तहत एक विशेष पहल की गई है। इसके अंतर्गत जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा द्वारा डाइट गुरदासपुर में ई.टी.टी. की पढ़ाई कर रहे भावी शिक्षक–विद्यार्थियों के साथ एक विशेष प्रेरणादायक व मोटिवेशनल सेशन का आयोजन किया गया।

शिक्षक ही रखता है मजबूत राष्ट्र की नींव- अपने संबोधन के दौरान जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा ने कहा कि एक आदर्श शिक्षक को राष्ट्र निर्माता के रूप में जाना जाता है। शिक्षक द्वारा तराशे गए विद्यार्थी ही आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, वकील, जज, आईएएस, आईपीएस जैसे उच्च पदों पर पहुँचकर देश और समाज की तरक्की में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल किताबी ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि एक अच्छे समाज और मजबूत राष्ट्र की नींव रखने वाला सच्चा मार्गदर्शक होता है।

प्रशासनिक सेवाओं में जाने का आह्वान- विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए वर्मा ने कहा कि वे अपने जीवन के लक्ष्यों को सिर्फ ई.टी.टी. शिक्षक बनने तक ही सीमित न रखें, बल्कि बड़े सपने देखें और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर मेहनत करें। उन्होंने कहा कि यूपीएससी, पीसीएस और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से प्रशासनिक सेवाओं में जाकर देश की सेवा करने के ढेरों अवसर मौजूद हैं। कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी व्यक्ति जीवन की सर्वोच्च मंजिलों को हासिल कर सकता है। उन्होंने छात्रों को अपने कौशल को लगातार निखारने और समय के साथ खुद को अपडेट रखने की भी सलाह दी।

उभरते लेखक जुगल किशोर की पुस्तक का विमोचन- इस कार्यक्रम के दौरान डाइट के छात्र और उभरते लेखक जुगल किशोर की तीसरी पुस्तक 'परछाईं' का विमोचन भी मुख्य अतिथि और गणमान्य हस्तियों द्वारा किया गया, जो इस समागम का विशेष आकर्षण रहा।

इससे पहले डाइट प्रभारी नरेश कुमार और तरुनजोत कौर द्वारा जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा का यहाँ पहुँचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। डाइट प्रभारी नरेश कुमार ने विद्यार्थियों को दिए गए इस ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक व्याख्यान के लिए मुकेश वर्मा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मोटिवेशनल सेशन विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करते हैं और उन्हें अपने लक्ष्यों के प्रति अधिक जागरूक बनाते हैं।

रजिंदर मंड के निधन पर गहरा शोक जताया

» प्रथम न्यूज । जालंधर
22 जून (कुलदीप सिंह)

पंजाब स्टेट सर्विसेज फेडरेशन (पीएसएसएफ) ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) जालंधर के पूर्व जिला सचिव, देश भगत यादगार हॉल जालंधर के समिति सदस्य एवं ट्रस्टी तथा अर्जन सिंह गड़गज्ज फाउंडेशन और नवां जमाना से जुड़े एडवोकेट रजिंदर मंड के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

पीएसएसएफ के राज्य महासचिव तीर्थ सिंह बासी, राज्य कमेटी सदस्य कुलदीप वालिया और तरसेम माधोपुरी, जिला प्रधान पुष्पिंदर कुमार विरदी, महासचिव मनोज कुमार सरोए, वित्त सचिव ओम प्रकाश, गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन पंजाब जिला जालंधर के प्रधान करनैल फिल्लौर, महासचिव सुखविंदर सिंह मक्कड़, प्रेस सचिव वेद राज तथा पंजाब पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन फिल्लौर एवं फगवाड़ा के नेताओं बलविंदर कुमार, तारा सिंह बीका, बूटा राम अकलपुर, रतन सिंह गुराया, मोहन सिंह भट्टी, कुलदीप सिंह कौड़ा, गुरनाम सिंह सैणी और सीतल राम बंगा सहित अन्य नेताओं ने शोक संदेश जारी किया।

उन्होंने कहा कि साथी रजिंदर मंड के असामयिक निधन से जहां मंड परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है, वहीं सीपीआई जालंधर, देश भगत यादगार समिति, अर्जन सिंह गड़गज्ज फाउंडेशन तथा वामपंथी लोकतांत्रिक आंदोलन को भी ऐसी क्षति हुई है जिसकी भरपाई संभव नहीं है।

नेताओं ने कहा कि मंड परिवार को लगभग एक वर्ष के भीतर दूसरी बड़ी दुखद घटना का सामना करना पड़ा है। इससे पहले उनके सम्मानित पिता साथी गुरमीत सिंह शुगली का भी निधन हो चुका था।

पीएसएसएफ ने निर्णय लिया है कि 24 जून को देश भगत यादगार हॉल, जालंधर में आयोजित एडवोकेट रजिंदर मंड की श्रद्धांजलि सभा में संगठन के प्रतिनिधि शामिल होकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

डॉ. दलबीर सिंह कथूरिया अपनी मां के निधन से स्तब्ध हैं

जीरा, 22 जून (अंग्रेज बराड़) – विश्व पंजाबी भवन बरपट्टन (कनाडा) के संस्थापक, विश्व पंजाबी सभा के वैश्विक अध्यक्ष और लुधियाना की पंजाबी साहित्य अकादमी के संरक्षक डॉ. दलबीर सिंह कथूरिया को उस समय गहरा सदमा लगा जब उनकी पूजनीय माता श्रीमती प्रीतम कौर कथूरिया, सरदार सुबेग सिंह कथूरिया की पत्नी, ने एक संक्षिप्त बीमारी के बाद इस दुनिया को अलविदा कह दिया! दुख की इस घड़ी में डॉ. दलबीर सिंह कथूरिया के साथ प्रसिद्ध पंजाबी लेखिका और लेक्चरर बलवीर कौर रायकोटी, संत अतर सिंह कॉलेज मस्तुआना की मीडिया प्रभारी मैडम प्रीत हीर, रमिंदर कौर वालिया कनाडा, मनदीप सिंह पत्रकार, डॉ. सतिंदरजीत कौर बटर, लेखक वीरपाल कमल, अमरजीत सिंह बराड़, प्रसिद्ध लेखक और राज्य पुरस्कार विजेता अमरीक सिंह तलवंडी, सतबीर सिंह, अमनदीप कौर बठिंडा, दीप्ति बबूटा, दिलप्रीत कौर गुरी, डॉ. अमर ज्योति शामिल थे। मंगत, डॉ. रविंदर भाटिया, अंजू अमनदीप ग्रोवर, डॉ. संगीता शर्मा, गुरजीत कौर राणो, अंजना कुमारी, अंजू बाला, अरतिंदर संधू, बलजिंदर कौर शेरगिल, बूटा गुलाम वाला, देवी सिधू बठिंडा, दीप कुलदीप, मनप्रीत कौर संधू, गुरमिंदर कौर प्रीत, मनदीप कौर प्रीत, इकबाल सिंह सहोता, कंवरप्रीत कौर मान, मनदीप कौर भदौड़, नूरदीप कोमल, राजविंदर सिंह गड्डू, डॉ. जगदीप कौर, छिंदर कौर सिरसा, सिमरपाल कौर बठिंडा, सुरजीत कौर भोगपुर आदि सहित बड़ी संख्या में लेखकों, सहयोगियों, कवियों और प्रतिष्ठित हस्तियों ने डॉ. दलबीर सिंह कथूरिया और कथूरिया परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और अपना दुख साझा किया!

संक्षिप्त न्यूज

मंडी में रिश्तों का कत्ल : शराब के नशे में बेटे ने मां की ली जान, आरोपी गिरफ्तार

राज्य सचिवालय कर्मी की हत्या से सनसनी, बेटे पर लगा मां की हत्या का आरोप

मंडी (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल के जयदेवी क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक बेटे ने कथित तौर पर शराब के नशे में अपनी मां की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान 51 वर्षीय पार्वती के रूप में हुई है, जो शिमला स्थित राज्य सचिवालय में कार्यरत थीं। वहीं आरोपी बेटा खेमाराम भी शिमला में नौकरी करता है। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर हुए विवाद के दौरान आरोपी ने अपनी मां पर डंडे से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना में पार्वती की मौके पर ही मौत हो गई।

मामले की सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पति 61 वर्षीय खूब राम की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है तथा हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

फंडिंग एवं नेटवर्किंग मीट तथा उद्यमिता' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बीबीएन, 22 जून (तारा) – ज़िला उद्योग केंद्र बद्दी तथा निटकॉन लिमिटिड के माध्यम से आज बद्दी में 'फंडिंग एवं नेटवर्किंग मीट तथा उद्यमिता' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उद्योग विभाग की पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को वित्तीय सहायता से संबंधित जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें उपयुक्त विपणन प्लेटफॉर्म से जोड़ने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। यह कार्यक्रम 'रैम्प परियोजना' के घटकदृ7 'सामाजिक समावेशन' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य महिला उद्यमियों की वित्तीय पहुंच को सुदृढ़ बनाना, उन्हें सरकारी योजनाओं से प्रभावी रूप से जोड़ना तथा स्थायी आजीविका एवं बाजार संपर्क सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बैंकिंग सेवाओं, ऋण स्वीकृति प्रक्रिया, विभिन्न सरकारी अनुदान एवं प्रोत्साहन योजनाओं, बीमा योजनाओं, उद्यम पंजीकरण तथा डिजिटल एवं ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रियाओं से संबंधित व्यवहारिक एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। सोशल इन्क्लूजन टीम से कृतिका शर्मा एवं बलदेव ठाकुर ने प्रतिभागियों को महिला उद्यमिता, वित्तीय समावेशन तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम महिला उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त, व्यावहारिक एवं सार्थक पहल सिद्ध होगा। इसने महिलाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने, वित्तीय संसाधनों तक पहुंच बनाने तथा अपने व्यवसाय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में ज़िला के अग्रणी बैंक यूको बैंक की अग्रणी जिला प्रबंधक तमन्ना मोदगिल, यूको आरसेटी की निदेशक मीनू बरिया, महिला उद्यमी ममता भारद्वाज, सिंगल विंडो क्लीयरेंस अथॉरिटी बद्दी के रैम्प कंसल्टेंट सुखचैन शर्मा, सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम से राकेश कुमार तथा उद्योग विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित ज़िला की लगभग 95 महिला उद्यमियों ने भाग लिया।

27 जून को बददी की पाइन ट्री कम्पनी में रक्तदान शिविर

बद्दी, 22 जून (तारा)– बददी – बरोटीवाला मार्ग पर पाइनट्री पैकेजिंग प्राइवेट लिमिटेड उधोग परिसर काठा नजदीक लक्कड़ डिपू बद्दी में 27 जून शनिवार को 13वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कम्पनी के एसोसिएट डायरेक्टर राजेश शर्मा ने बताया रोटरी ब्लड बैंक सोसाइटी रिसोर्सिस सेंटर सेक्टर 37 चंडीगढ़ की टीम रक्त एकत्रित करेगी। उन्होंने बताया कि 18 से 60 वर्ष की आयु का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति साल में प्रत्येक 3 माह बाद रक्तदान कर सकता है। इसलिए अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य के भागीदार बने।

गोयला स्कूल से स्टाफ के अभाव में आठ

पट्टा मेहलोग, 22 जून (तारा) – शिक्षा खंड पट्टा मेहलोग के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोयला में स्टाफ की भारी कमी विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता का कारण बनी हुई है। वाणिज्य और विज्ञान विषयों के प्रवक्ता न होने से आठ विद्यार्थियों ने दूसरे स्कूलों में दाखिला ले लिया है। यदि यही स्थिति बनी रही तो यहां वाणिज्य और विज्ञान की कक्षाएं बंद होने का खतरा है। स्कूल में कुल पांच प्रवक्ता पद रिक्त पड़े हैं। स्कूल में वाणिज्य के दोनों पद खाली हैं। विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान के प्रवक्ता का पद भी रिक्त है। कला संकाय में इतिहास और राजनीति शास्त्र के प्रवक्ता के पद भी लंबे समय से खाली पड़े हैं। सितंबर 2006 में गोयला स्कूल को दसवीं से जमा दो तक उन्नत किया गया था। तब से ही यहां कला, वाणिज्य और विज्ञान तीनों विषय पढ़ाए जा रहे हैं। स्टाफ की कमी के कारण आठ विद्यार्थी पट्टा, चंडी और दिग्गल के स्कूलों में चले गए हैं।

एसएमसी के प्रधान गुरुदेव वर्मा ने सरकार पर ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों की उपेक्षा का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अध्यापक राजनीतिक दबाव बनाकर अपनी मर्जी के स्कूलों में स्थानांतरण करवा लेते हैं। स्थानांतरण होने पर इन अध्यापकों को बिना स्थानापन्न अध्यापक के ही कार्यमुक्त कर दिया जाता है। इससे ग्रामीण स्कूलों में स्टाफ की कमी बनी रहती है। वर्मा ने आशंका जताई कि लगातार अध्यापकों के पद खाली रहने से सरकार इन विषयों को समाप्त प्राय संवर्ग में डाल देगी। इससे ये विषय हमेशा के लिए यहां से बंद हो जाएंगे।

हिमाचल में निर्विरोध पंचायतों को मिलेगा बड़ा प्रोत्साहन

सुक्खू सरकार 25-25 लाख रुपये देने की तैयारी में

» प्रथम न्यूज । शिमला
22 जून (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश में हाल ही में संपन्न पंचायती राज चुनाव में निर्विरोध चुनी गई 136 पंचायतों पर सुक्खू सरकार मेहरबान होगी। सरकार प्रोत्साहन स्वरूप 25–25 लाख रुपये देने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

पंचायती राज विभाग ने इसके लिए 34 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार कर वित्त विभाग को भेज दिया है। वित्त विभाग से स्वीकृति मिलने के बाद फाइल मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के पास अंतिम मंजूरी के लिए भेजी जाएगी।

3754 में से 136 ने दिखाया सामाजिक सौहार्द

प्रदेश में 3754 पंचायतों में प्रधान, उपप्रधान और वार्ड पंचों के लिए चुनाव हुए, जिसमें 136 पंचायतों में ही प्रधान, उपप्रधान और सभी वार्ड पंच निर्विरोध निर्वाचित हुए। प्रदेश सरकार ने ग्रामीण स्तर पर लोकतांत्रिक सहमति और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्विरोध निर्वाचित पंचायतों को प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया है।

वर्तमान कांग्रेस सरकार ने इस प्रोत्साहन राशि को दस लाख से बढ़ाकर इस बार 25 लाख रुपये किया। निर्विरोध चुनाव

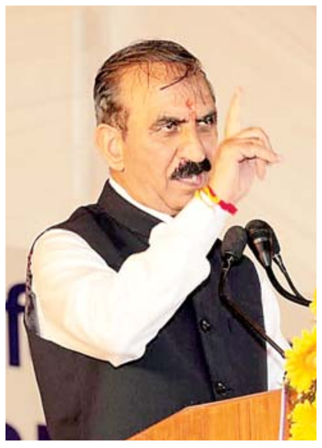

न केवल चुनावी खर्च को कम करते हैं बल्कि पंचायत स्तर पर आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता को भी मजबूत बनाते हैं। वित्त विभाग द्वारा प्रस्ताव का परीक्षण किया जा रहा है। मंजूरी मिलने के बाद राशि जारी करने की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाएगी ताकि पंचायतें अपने विकास कार्यों की योजनाएं समय रहते शुरू कर सकें।

25 लाख से एक करोड़ का प्रविधान

प्रदेश में पंचायतों के निर्विरोध चुने जाने पर 25, लाख, जबकि पंचायत समिति के लिए 50 लाख और जिला परिषद के लिए एक करोड़ की राशि का प्रविधान किया गया है। प्रदेश में कोई भी पंचायत समिति और जिला परिषद निर्विरोध नहीं चुनी गई है।

निर्विरोध निर्वाचित पंचायतों की जिलावार संख्या

जिला	निर्विरोध निर्वाचित पंचायतें
शिमला	42
यिरमौर	27
किन्नौर	18
लाहुल स्पीति	17
सोलन	13
मंडी	05
ऊना	05
कुल्लू	05
कांगड़ा	02
चंबा	01
बिलासपुर	01
कुल	**136**

निर्विरोध के लिए राशि को दस गुना तक बढ़ाया गया

संस्था	पहले प्रोत्साहन राशि	अब प्रोत्साहन राशि
ग्राम पंचायत	10 लाख	25 लाख
पंचायत समिति	5 लाख	50 लाख
जिला परिषद	15 लाख	1 करोड़

इन कार्यों पर खर्च होगी धनराशि

मुख्यमंत्री की स्वीकृति मिलते ही संबंधित पंचायतों को राशि जारी कर दी जाएगी। इन पंचायतों को विकास योजनाओं, आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण, पेयजल, स्वच्छता, सड़क, सामुदायिक भवन और अन्य जनहित कार्यों पर खर्च करने के लिए यह राशि उपलब्ध करवाई जाएगी।

हिमाचल में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

8 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

शिमला (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 8 आईपीएस अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार सभी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

जारी आदेशों के तहत आईपीएस अधिकारी अभिषेक दुल्लर (बैच 2006) को आईजीपी कम्युनिकेशन एवं टेक्निकल सर्विसेज, हमीरपुर से स्थानांतरित कर आईजीपी (लॉ एंड ऑर्डर), शिमला नियुक्त किया गया है। सके साथ ही उन्हें आईजीपी (आर्म्ड पुलिस एवं ट्रेनिंग), दरोह का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है।

वहीं डॉ. डी.के. चौधरी (बैच 2008) को आईजीपी (आर्म्ड पुलिस एवं ट्रेनिंग), दरोह से स्थानांतरित कर आईजीपी कम्युनिकेशन एवं टेक्निकल सर्विसेज, हमीरपुर लगाया गया है।

सरकार ने संदीप कुमार धवाल (बैच 2016) को एसपी बिलासपुर से एसपी देहरा नियुक्त किया है। दूसरी ओर मयंक चौधरी (बैच 2019) को एसपी देहरा के पद से हटाकर एसपी (लीव रिजर्व), पुलिस मुख्यालय शिमला में तैनात किया गया है।

आईपीएस अधिकारी अशोक रतन (बैच 2017), जो वर्तमान में एसपी कांगड़ा और एसटीएफ धर्मशाला जोन का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे थे, उन्हें भी एसपी (लीव रिजर्व), पुलिस मुख्यालय शिमला नियुक्त किया गया है।

विदेश अध्ययन अवकाश से लौटने के बाद नई तैनाती का इंतजार कर रहीं आईपीएस अधिकारी इल्मा अफरोज (बैच 2018) को एसपी नूरपुर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इसके अलावा आईपीएस अधिकारी अभिषेक (बैच 2021) को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शिमला से पदोन्नत कर एसपी बिलासपुर नियुक्त किया गया है। वहीं गौरवजीत सिंह (बैच 2022) को एसडीपीओ नादौन से पदोन्नत कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शिमला लगाया गया है।

सरकार के इस फैसले को पुलिस प्रशासन में कार्यकुशलता बढ़ाने और कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाने पर जोर, धर्मशाला में हितधारकों की परामर्श बैठक आयोजित

कांगड़ा में आपदा जोखिम न्यूनीकरण परियोजना पर मंथन, विभागों से मांगे सुझाव, आपदा से निपटने की तैयारी होगी और सशक्त, डाटा साझा करने पर दिया गया बल

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला
22 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में आपदा जोखिम न्यूनीकरण परियोजना के तहत राज्य एवं जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन तंत्र को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सोमवार को मिनी सचिवालय धर्मशाला में हितधारकों के साथ एक परामर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने की।

बैठक में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य एवं जिला आपातकालीन परिचालन केंद्रों की संस्थागत और तकनीकी क्षमता को मजबूत करने के लिए विभिन्न विभागों से सुझाव और परामर्श लिए गए। साथ

ही परियोजना के विभिन्न घटकों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्यान्वयन के दौरान आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान को लेकर अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि कांगड़ा जिला भूकंपीय दृष्टि से राज्य का अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। ऐसे में आपदा तैयारी, रोकथाम, जोखिम न्यूनीकरण, राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं को और अधिक मजबूत बनाना आवश्यक है। उन्होंने आधुनिक आपदा प्रबंधन अवसंरचना, समन्वय एवं निर्णय-निर्माण प्रणाली, निगरानी और मूल्यांकन तंत्र को विकसित करने पर बल दिया।

उन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए समर्पित कार्यालय, सम्मेलन सुविधाएं, सिमुलेशन कक्ष, संचार प्रणाली और आपातकालीन समन्वय अवसंरचना को बेहतर बनाने का सुझाव भी दिया। साथ ही भूकंपरोधी निर्माण, बाढ़ प्रबंधन, कमांड एवं कंट्रोल सिस्टम तथा विभिन्न संस्थाओं के बीच डाटा साझा करने और बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जेंडर एक्शन प्लान के तहत महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए अनुकूल सुविधाएं विकसित करने पर भी जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सुरक्षित पहुंच मार्ग, पृथक शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विकास सुनिश्चित किया जाए। बैठक में एडीएम शिल्पी बेक्टा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

पाठक ने युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का किया आग्रह

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता शिविर आयोजित

सोलन, (बी. शर्मा)– स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सोलन द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आज यहां जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. अजय पाठक ने दी।

डॉ. अजय पाठक ने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थ जैसे तम्बाकू, शराब, गुटका, सिगरेट, चरस, गांजा, अफीम व अन्य मादक पदार्थों के सेवन व्यक्ति को मानसिक व शारीरिक रूप से कमज़ोर बना देता है।

उन्होंने कहा कि नशे के सेवन से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, फेफड़ों, किडनी रोग इत्यादि समस्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि नशे से न केवल शारीरिक नुकसान होते है अपितु तनाव, चिंता, अवसाद, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा जैसे मानसिक नुकसान भी होते है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि किसी भी प्रकार के नशे से विद्यार्थियों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने इस अवसर पर अध्यापकों एवं अभिभावकों से आग्रह किया कि विद्यार्थियों की गतिविधियों पर नज़र रखे, उनके व्यवहार में आए परिवर्तन को गम्भीरता से लें और समय-समय पर उचित पारदर्शिता के साथ उनसे संवाद करते रहे ताकि उन्हें नशे से दूर रखा जा सके।

ठियोग में दर्दनाक सड़क हादसा

खाई में गिरी बैंड पार्टी की गाड़ी, एक की मौत, 15 घायल

» प्रथम न्यूज । शिमला
22 जून (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के ठियोग में हुए सड़क हादसे में एक की मौत हो गई। जबकि 15 लोग घायल है. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के वक्त गाड़ी में 24 लोग सवार थे। घटना एनएच 705 पर ठियोग से लगभग तीन किलोमीटर आगे जैस घाटी में गाड़ी क्रैश बैरियर को तोड़ते हुए गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जैसे ही घटना की सूचना पुलिस ओर स्थानीय लोगों को मिली सभी घटना स्थल पर इकट्ठा हुए और घायलों को खाई से बाहर निकाला। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ठियोग-छैला ह॥ 705 पर यह सड़क हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि गाड़ी में बैंड पार्टी के लोग शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। वाहन में दूल्हे को सजाने के लिए आवश्यक सामान के साथ-साथ घोड़ी को भी ले जाया जा रहा था। गाड़ी चंडीगढ़ से रोहड़ू की तरफ जा रही थी। तभी ठियोग के पास गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी।

हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने घायलों को खाई से बाहर निकाला।

जिसके बाद घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ठियोग ले जाया गया, जहां पर डाक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य लोगों का प्राथमिक उपचार करने के बाद शिमला ढ्ढत्नरूष्ट भेज दिया गया। हादसे में मृतक की पहचान नीटू के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर का रहने वाला था। हादसे के दौरान उसके सिर में गंभीर चोट आई थी।

हादसे में घायलों लोगों ने कहा, वे चंडीगढ़ से कोटखाई की तरफ जा रहे थे. गाड़ी में शादी का सामान, छ्व्छ्व और बैंड पार्टी सहित एक घोड़ी भी थी। गाड़ी बड़ी रफ्तार से चलाई जा रही थी। हालांकि, वाहन में सवार लोग बार-बार गाड़ी को धीमा चलाने की मांग कर रहे थे. तेज रफ्तार के कारण गाड़ी अनियंत्रित होकर क्रैश बेरियर को तोड़ते हुए खाई में जा गिरी। जिसके बाद वहां पर चीख पुकार मच गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस दौरान मौके पर पहुंचे एसडीएम ठियोग शशांक गुप्ता, डीएसपी सिद्धार्थ शर्मा और स॥ह सहित तहसीलदार ने घायलों का हाल जाना। घायलों को ?5-5 हजार की राहत राशि भी प्रदान की गई। मौके पर स्थानीय पार्षद दिनेश शर्मा ओर मदन शर्मा भी पहुंचे और घायलों की मदद की।

शिमला के प्रतिबंधित मार्गों पर रहने वाले स्थानीय निवासियों की समस्याओं को लेकर सांसद सुरेश कश्यप को सौंपा ज्ञापन

जाखू, यू.एस. क्लब, बेनमोर और कनलोग क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों को राहत दिलाने की उठाई मांग

» प्रथम न्यूज । शिमला
22 जून (बी.शर्मा)

शिमला शहर के प्रतिबंधित मार्गों पर रहने वाले स्थानीय निवासियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान हेतु एक प्रतिनिधिमंडल ने आज उपायुक्त कार्यालय शिमला में शिमला संसदीय क्षेत्र के सांसद सुरेश कश्यप को ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल में भाजपा नेता कर्ण नंदा, श्याम शर्मा, कृष्ण गुप्त तथा शांता कुमार उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने सांसद सुरेश कश्यप को अवगत करवाया कि जाखू, यू.एस. क्लब, बेनमोर तथा कनलोग वार्ड के ऊपरी क्षेत्रों में रहने वाले स्थायी निवासियों को वाहन परमिट व्यवस्था के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि इन क्षेत्रों में

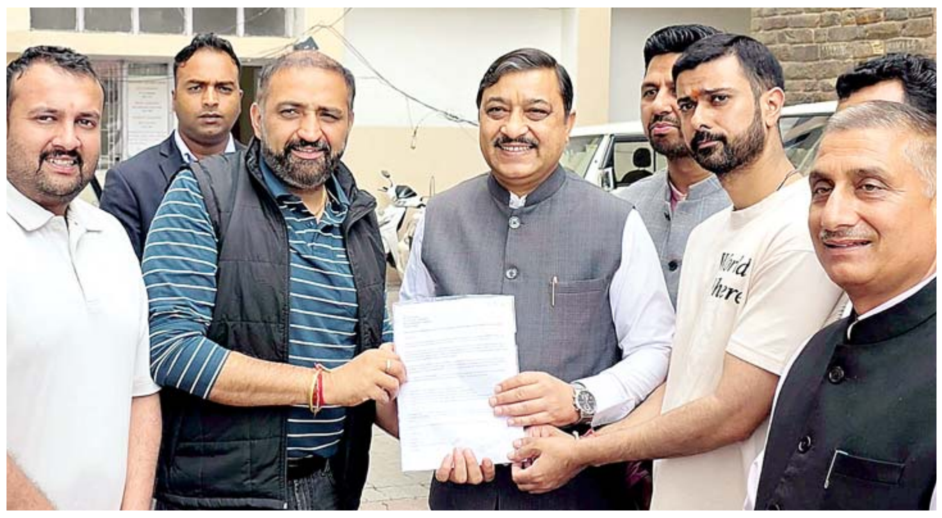

कई परिवार पिछले 50 से 60 वर्षों से निवास कर रहे हैं, जबकि अनेक परिवार स्वतंत्रता पूर्व से यहां रह रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अपने निजी वाहनों के लिए बार-बार परमिट लेने की जटिल प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जिससे आम लोगों को अनावश्यक परेशानी और आर्थिक बोझ झेलना पड़ रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि स्थायी निवासियों के लिए दीर्घकालिक रेजिडेंट पास जारी किए जाएं, परमिट शुल्क में तर्कसंगत कमी लाई जाए, एकल खिड़की (सिंगल विंडो) प्रणाली लागू की जाए तथा प्रतिबंधित मार्गों से संबंधित नियमों में स्थानीय निवासियों को छूट प्राप्त श्रेणी में शामिल किया जाए। इसके अतिरिक्त दोपहिया वाहनों एवं स्थानीय निवासियों के अन्य निजी वाहनों को भी परमिट व्यवस्था के दायरे में सरलता के साथ शामिल करने की मांग की गई।

सांसद सुरेश कश्यप ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि स्थानीय निवासियों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से संबंधित विभागों एवं प्रदेश सरकार के समक्ष उठाया जाएगा तथा लोगों को राहत दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि स्थानीय निवासियों की वर्षों पुरानी इस समस्या का शीघ्र समाधान होगा और लोगों को एक सरल एवं जनहितैषी व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

संक्षिप्त न्यूज

मुख्यमंत्री ने लखनऊ अग्निकांड पर दुख व्यक्त करते हुए जताई संवेदना

चंडीगढ़, 22 जून- (मुकेश डोलिया) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए लखनऊ में हुए अग्निकांड पर दुख व्यक्त किया और इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति अपनी संवेदना जताई। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री ने तुरंत घटनास्थल पर जाकर मौका मुआयना किया है और बचाव कार्यों का जायजा लिया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हादसे के घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

मुख्यमंत्री ने एक अन्य प्रश्न के जवाब में कहा कि ग्लोबल वार्मिंग से बचाव के लिए पर्यावरण संरक्षण करना बहुत जरूरी है जिसके लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। हरियाणा सरकार इस दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है। हरियाणा देश का पहला राज्य है जहां पुराने वृक्षों को पेंशन दी जाती है ताकि उनका उचित संरक्षण किया जा सके। उन्होंने कहा कि हर साल की भांति इस वर्ष मानसून सीजन में भी हरियाणा में 'एक पेड़ मां के नाम' योजना के तहत बड़ी संख्या में पौधारोपण किया जाएगा। इन पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड लगाए जाएंगे और इनकी देखभाल की जाएगी ताकि ये पूरी तरह से विकसित हो सकें।

इस अवसर पर पर्यटन एवं सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. राज नेहरू, ओएसडी श्री वीरेंद्र सिंह बड़खालसा, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक कैप्टन मनीष कुमार लोहान तथा मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीन अत्रे भी मौजूद थे।

सांसद नवीन जिंदल के प्रयास से अरनैचा असमानपुर में लगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 58 लोगों तक पहुंचा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

पिहोवा (मुकेश डोलिया): सांसद नवीन जिंदल के प्रयास से गांव असमानपुर और अरनैचा में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इसमें लोगों के निशुल्क लैब टेस्ट करने के साथ-साथ उन्हें दवाइयां भी दी गई। डॉ. पूर्ण मल के नेतृत्व में नवीन जिंदल फाउंडेशन की टीम ने 58 लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया। सांसद कार्यालय के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल के प्रयास से स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को जागरुक किया जा रहा है। साथ ही कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों और स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने पर भी सांसद की ओर से विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आईटीआई संस्थानों के आधुनिकीकरण और रोजगारपरक प्रशिक्षण से जुड़े विषयों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। सांसद नवीन जिंदल की सोच है कि जनभागीदारी और पारदर्शी कार्यशैली के माध्यम से संसदीय क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्य किया जाए।

निर्माणाधीन मकान से औजार व बिजली का सामान चोरी करने के मामले में आरोपी काबू

कैथल (कृष्ण गर्ग): संपत्ति विरुद्ध अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई मुकेश कुमार की अगुवाई में एएसआई संदीप कुमार की टीम द्वारा आरोपी गांव पेगा जिला जींद निवासी सोनू उर्फ सतीश कुमार को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि रुद्रा कॉलोनी कैथल निवासी सचिन कुमार की शिकायत अनुसार रुद्रा कॉलोनी में उसका एक मकान निर्माणाधीन हैं। जहां बिजली का सामान व लकड़ी मिस्त्री के औजार रखे हुए थे।

15 मई की सुबह जब उसने मकान पर जाकर देखा तो पाया कि बिजली फिटिंग की तार उखड़ी हुई, 6 तारों के मण्डल व मिस्त्री के औजार अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। जिस बारे थाना सिविल लाइन में मामला दर्ज कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से 6 किलो 390 ग्राम तार बरामद कर लिए गए। आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

आग से सुरक्षा के संबंध में लघु सचिवालय में मॉक ड्रिल आज

कुरुक्षेत्र, (बृज मोहन): उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि लघु सचिवालय के सभी सरकारी भवनों में आग से सुरक्षा के संबंध में एक मॉक ड्रिल का आयोजन 23 जून को दोपहर 3 बजे किया जाएगा। सभी विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ अधिकारी, कर्मचारियों मॉक ड्रिल में निर्धारित समय व स्थान पर उपस्थित रहना सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि इस मॉक ड्रिल में पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त उपायुक्त, नगरायुक्त, जिला परिषद के सीईओ, उपमंडल अधिकारी नागरिक, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, सिविल सर्जन, रेडक्रॉस सोसायटी सचिव, गृह रक्षी एवं नागरिक सुरक्षा कमांडेंट सहित सभी विभागाध्यक्षों को शामिल होना होगा।

कैबिनेट ने मॉडल ऑनलाइन स्थानांतरण नीति, 2026 और शिक्षक स्थानांतरण नीति, 2026 को मंजूरी दी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
22 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में मानव संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करने, कर्मचारियों की संतुष्टि को बढ़ावा देने, प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और व्यापक जनहित में सार्वजनिक सेवा वितरण को मजबूत करने के उद्देश्य से मॉडल ऑनलाइन स्थानांतरण नीति (MOTP), 2026 और शिक्षक स्थानांतरण नीति (TTP), 2026 को मंजूरी दे दी है।

ये संशोधित नीतियां पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय की टिप्पणियों के साथ-साथ विभिन्न हितधारकों से प्राप्त फीडबैक पर उचित विचार करने के बाद तैयार की गई हैं।

माननीय न्यायालय ने, अन्य बातों के अलावा, पिछली स्थानांतरण व्यवस्था के तहत आयु को दिए गए महत्व (वेटेज) और दंपत्ति मामलों (couple cases) को दिए गए कम मेरिट अंकों आदि को लेकर चिंता व्यक्त की थी, जिसके बाद हितधारकों के फीडबैक को शामिल करते हुए इन चिंताओं को दूर करने के लिए नीतिगत ढांचे की व्यापक समीक्षा की गई है।

नई नीतियों के तहत, स्थानांतरण के उद्देश्यों के लिए कर्मचारी रैंकिंग एक संशोधित 120-अंकीय समग्र स्कोरिंग ढांचे के माध्यम से निर्धारित की जाएगी। इसमें आयु को दिए गए वेटेज को 75% से घटाकर 25% कर दिया गया है, जबकि व्यावसायिक अनुभव और सेवा की निरंतरता को मान्यता देने के लिए एक नया पैरामीटर कैडर में अनुभव शुरू किया गया है, जिसका वेटेज 25% होगा। इसके अलावा, विशेष कारकों के लिए आवंटित वेटेज को 25% से बढ़ाकर 50% कर दिया गया है, जिससे वास्तविक कठिनाइयों और विशेष परिस्थितियों का सामना करने वाले कर्मचारियों को अधिक राहत मिलेगी। कर्मचारी कल्याण प्रावधानों के एक महत्वपूर्ण विस्तार के रूप में, मान्यता प्राप्त गंभीर बीमारियों की सूची को व्यापक बनाया गया है, जिसमें अब मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, बेहचेट रोग, और अग्न्याशय व बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसे निर्दिष्ट अंग प्रत्यारोपण मामलों को शामिल किया गया है। साथ ही, नीतियां एक महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय भी पेश करती हैं, जिसके तहत सेवानिवृत्ति के एक वर्ष के भीतर किसी भी कर्मचारी या शिक्षक का स्थानांतरण उनकी स्पष्ट लिखित सहमति के बिना नहीं किया जाएगा।

नियमित सरकारी सेवा करने वाले जोड़ों के लिए समर्थन को और मजबूत करते हुए दंपत्ति मामले की श्रेणी के तहत मिलने वाले मेरिट अंकों को 5 से बढ़ाकर 10 अंक कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, पात्र संगठनों की परिभाषा का विस्तार करते हुए इसमें किसी भी सरकार के नियमित कर्मचारियों को शामिल किया गया है, बशर्ते वे हरियाणा, चंडीगढ़ या दिल्ली में तैनात हों। प्रक्रियात्मक दक्षता और पारदर्शिता में सुधार के लिए, ये नीतियां सुव्यवस्थित समय-सीमा प्रदान करती हैं और श्रेणी की अवधारणा पेश करती हैं, जिससे स्थानांतरण अभियानों के दौरान भाग लेने वाले और भाग न लेने वाले कर्मचारियों के बीच स्पष्ट अंतर किया जा सके।

इन नीतियों की अधिसूचना के साथ ही, मॉडल ऑनलाइन स्थानांतरण नीति, 2025 और शिक्षक स्थानांतरण नीति, 2025 के प्रावधानों के तहत शुरू किए गए कोई भी स्थानांतरण अभियान बंद माने जाएंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी पात्र कर्मचारियों को 2026 के नीतिगत ढांचे के तहत स्थापित अधिक निष्पक्ष और संतुलित मानदंडों का लाभ मिले।

कैबिनेट ने मानव संसाधन विभाग को MOTP, 2026 के तहत पहले ऑनलाइन स्थानांतरण अभियान के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने के लिए अधिकृत किया है, विशेष रूप से %नोशनल श्रेणी% और उन कैडरों के संबंध में जहां वर्तमान कर्तव्य प्रभार (CDC) व्यवस्थाएं लागू हैं। ये पुनर्गठित नीतियां प्रशासनिक दक्षता और कर्मचारी कल्याण को सुनिश्चित करते हुए एक निष्पक्ष, पारदर्शी, वस्तुनिष्ठ और तकनीक-संचालित स्थानांतरण प्रणाली के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराती हैं।

पिस्तौल की नोक पर स्कूटी लूटने के मामले में गिरोह से जुड़ा आरोपी सीआईए कलायत पुलिस द्वारा गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । कैथल
22 जून (कृष्ण गर्ग)

जिला पुलिस द्वारा संगठित अपराधियों के खिलाफ एसपी मनप्रीत सिंह सूदन क्व कुशल नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए कलायत पुलिस ने पिस्तौल की नोक पर स्कूटी लूटने के मामले में गिरोह से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर-20 हुड्डा, कैथल निवासी विनय गर्ग की शिकायत अनुसार 13 जून को वह अपनी स्कूटी पर लकड़ी खरीदने के लिए बलराज नगर स्थित सिद्धि विनायक पेट्रोल पंप के नजदीक जा रहा था। इसी दौरान चार अज्ञात युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपियों में से दो के पास पिस्तौल तथा एक के पास डंडा था। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपियों ने उस पर जानलेवा हमला करते हुए डंडे से सिर पर चोटें मारी तथा उसे गोली मारने की धमकी दी। इसी दौरान एक आरोपी ने उस पर गोली भी चलाई, जो उसकी गर्दन के पास से निकल गई और वह बाल-बाल बच गया। इसके बाद आरोपी उसकी स्कूटी, जिसकी डिग्गी में करीब 60 हजार रुपये नकद तथा पर्स रखा हुआ था, छीनकर फरार हो गए। घायल अवस्था में शिकायतकर्ता को उसके मित्र द्वारा उपचार के लिए नागरिक अस्पताल कैथल में भर्ती कराया गया था। जिस बारे थाना सिविल लाइन में मामला दर्ज किया गया था। उक्त मामले में वारदात को अंजाम देने वाले 3 आरोपियों को मात्र 2 घंटे मध्य कैथल पुलिस द्वारा मुठभेड़ उपरांत काबू कर लिया गया था। एक आरोपी मौके से फरार हो गया था। जिसकी पहचान पंचकुला निवासी निरंजन उर्फ माल्टा के रूप में हो गई थी। जिसको 21 जून शनिवार की शाम किठाना क्षेत्र से मुठभेड़ उपरांत पकड़ लिया गया। मामले की जांच दौरान सीआईए कलायत प्रभारी एएसआई मनीष कुमार की अगुवाई में एएसआई राजीव व एएसआई सुभाष की टीम द्वारा आरोपी उत्तर प्रदेश के जिला बाराबंकी के गांव जीवल हाल जिरकपुर निवासी शिवम दुबे को उसके गांव जीवल से 17 जून को गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में जांच दौरान खुलासा हुआ था की आरोपी शिवम तथा निरंजन उर्फ माल्टा ने गिरोह बना रखा था।13 जून को मुठभेड़ दौरान कैथल पुलिस द्वारा पकड़े गए 3 आरोपी भी उक्त गिरोह में शामिल थे। लुट की वारदात करने के बाद लुटे गए पैसे शिवम को देकर सब आपस में बांट लेते थे। आरोपी शिवम उक्त गिरोह की सहायता करता था। उक्त मामले में भी आरोपी निरंजन को आरोपी शिवम द्वारा यूपी में फरारी कटवाई गई तथा माल्टा ने स्कूटी से लूटे गए पैसे में से शिवम को पैसे भी दिए थे तथा उसके पास रहकर अन्य जगह चला गया था।

व्यापक पूछताछ के लिए आरोपी शिवम का न्यायालय से 4 दिन पुलिस रिमांड हासिल किया गया था। आरोपी शिवम के कब्जे से 10 हजार रुपए बरामद किए गए है। आरोपी को न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

संगमेश्वर महादेव मंदिर की वेबसाइट का महंत विश्वनाथ गिरी ने किया लोकार्पण, मंदिर से जुड़ी तमाम अपडेट मिलेगी श्रद्धालुओं को

» प्रथम न्यूज । पिहोवा
22 जून (मुकेश डोलिया)

श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरूणाय से जुड़ी तमाम जानकारी देने वाली वेबसाइट अब शुरू हो चुकी है। श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी के मार्गदर्शन में मंदिर के सचिव महंत विश्वनाथ गिरी ने वेबसाइट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महंत विश्वनाथ गिरी ने कहा कि वर्तमान में आधुनिक तकनीक से प्रत्येक व्यक्ति जुड़ा हुआ है। ऐसे में समय की जरूरत थी कि मंदिर के इतिहास तथा जानकारियों को जानने की इच्छा रखने वाले श्रद्धालुओं को सुगम माध्यम उपलब्ध कराया जाए। सेवादल के प्रबंधक भूषण गौतम ने बताया कि श्रद्धालुओं की मांग को देखते हुए मंदिर की ओर से डब्लयू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट संगमेश्वरधाम डॉट कॉम नाम से वेबसाइट लांच की गई है। भूषण गौतम ने बताया कि इससे पहले भी मंदिर सोशल मीडिया पर फेसबुक पेज और व्हाट्सएप के माध्यम से श्रद्धालुओं से लगातार संपर्क में है । जिसके माध्यम से प्रतिदिन श्रद्धालुओं को श्रृंगार दर्शन और ताजा जानकारियां दी जाती हैं। उन्होंने बताया की नई शुरू हुई वेबसाइट के लिंक पर क्लिक करते ही या क्यूआर कोड को स्कैन करके मंदिर से जुड़ी तमाम अपडेट श्रद्धालुओं को प्राप्त होगी। श्रद्धालुओं को मंदिर का इतिहास, श्रावण मास के दौरान लगने वाले भंडारों की जानकारी, मंदिर की दैनिक गतिविधियों की अपडेट मिलती रहेगी। वेबसाइट के माध्यम से श्रद्धालु अखंड रुद्राभिषेक, 11000 बेलपत्र पूजन, सामान्य अभिषेक, पार्थिव शिवलिंग पूजन श्रावण मास व महाशिवरात्रि और मासिक त्रयोदशी के भंडारे आदि की बुकिंग भी करवा सकेंगे। भूषण गौतम ने बताया कि मंदिर की सड़क को फोरलेन बनाने का कार्य भी तेज गति से जारी है। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई से शुरू होने जा रहे श्रावण मास से पहले पीडब्लयूडी द्वारा इस कार्य को पूरा करने की उम्मीद जताई है। इसके साथ साथ अरुणाय बस स्टॉप से लेकर मंदिर तक जाने वाली सड़क को चौड़ा करने का काम भी सरकारी विभाग द्वारा किया जा रहा है । इस अवसर पर महंत धीरज पुरी, दिगंबर भूपेंद्र पुरी, दिगंबर आशु गिरी गुजरात,पंडित शंभू दत्त गौतम पंडित सतीश शास्त्री, गोल्डी शर्मा, राहुल गर्ग, शुभम व अजय सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

चंडीगढ़ हत्याकांड में सिल्वर सूटकेस बना अहम सुराग

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
22 जून (पुनीत महाजन)

सेक्टर-11 स्थित श्री कुमार केमिस्ट के कैशियर जानकी दास की हत्या के मामले में एक साधारण सा सिल्वर रंग सूटकेस पुलिस के लिए सबसे महत्वपूर्ण सुराग साबित हुआ।

हत्या के बाद फरार हुए शूटरों की तलाश में जुटी चंडीगढ़ पुलिस को विभिन्न स्थानों से मिली सीसीटीवी फुटेज में आरोपित बार-बार एक ही सूटकेस के साथ नजर आए। इसी सूटकेस ने पुलिस को उनकी गतिविधियों का पीछा करने और अंततः उनकी पहचान तक पहुंचने में मदद की।

जांच के दौरान पता चला कि हत्या के बाद आरोपित चंडीगढ़ से दिल्ली भाग गए थे। दिल्ली के पहाड़गंज में एक होटल में ठहरने के बाद आरोपित ट्रेन के जरिए जम्मू पहुंच गए। पुलिस लगातार सीसीटीवी फुटेज, यात्रा रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही थी।

इस दौरान हर अहम फुटेज में आरोपितों के हाथ में सिल्वर रंग का एक सूटकेस नजर आ रहा था। इसी सूटकेस के जरिए पुलिस को उनकी लोकेशन का पता चलता रहा। इससे उनकी पहचान करने में भी आसानी होती रही।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इसी सुराग के आधार पर जांच आगे बढ़ी और जम्मू-कश्मीर में आरोपितों की मौजूदगी का पता चला। इसके बाद चंडीगढ़ पुलिस ने जम्मू पुलिस के साथ मिलकर उनके ठिकानों पर दबिश दी और तीनों आरोपितों आर्यन, सन्नी मेहरा और अमित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को आरोपितों तक पहुंचने में पांच दिन लग गए, लेकिन पुलिस ने इस केस में बड़ी कामयाबी हासिल की।

चंडीगढ़ पुलिस ने जम्मू से आर्यन और सन्नी का ट्रांजिट रिमांड हासिल किया और फिर इन्हें चंडीगढ़ लाया गया। चंडीगढ़ पहुंचते ही धनास के पास क्राइम ब्रांच की गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। इस दौरान दोनों शूटरों ने भागने की कोशिश की। उन्होंने एक पिस्टल उठाकर पुलिस पर फायरिंग भी की।

जवाबी हमले में पुलिस ने भी फायरिंग कर दी। इस दौरान दोनों के पैर में गोली लग गई। इसके बाद उन्हें पीजीआई में भर्ती किया गया था। पीजीआई में उनका इलाज चला जिसके बाद उन्हें सेक्टर-16 के अस्पताल में भेज दिया गया। पुलिस इस मामले में तीसरे आरोपित अमित को भी पकड़ चुकी है, जोकि फिलहाल जम्मू पुलिस के पास सात दिन के रिमांड पर है।

सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की छतों पर लगेंगे सोलर पैनल, बिजली जरूरतें होंगी स्वच्छ ऊर्जा से पूरी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
22 जून (पुनीत महाजन)

प्रदेश में ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्य सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों की छतों पर सोलर पैनल स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत संस्थानों की बिजली आवश्यकताओं को सौर ऊर्जा के माध्यम से पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में सोलर पावर प्लांट लगाए जाएंगे तथा इन्हें नेट मीटरिंग प्रणाली के माध्यम से विद्युत ग्रिड से जोड़ा जाएगा। इससे जरूरत से अधिक उत्पन्न होने वाली बिजली ग्रिड में भेजी जा सकेगी, जिससे ऊर्जा का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल न केवल स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देगी, बल्कि सरकारी संस्थानों के बिजली खर्च में भी उल्लेखनीय कमी लाएगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सतत विकास और हरित ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सोलर पैनलों की स्थापना से ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा और भविष्य में अन्य सरकारी भवनों में भी इस प्रकार की परियोजनाओं को विस्तार दिया जाएगा।

नायब सिंह सैनी ने कहा, यह पहल ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और सरकारी संस्थानों के बिजली खर्च में कमी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

प्रदेश सरकार की इस योजना को स्वास्थ्य एवं ऊर्जा क्षेत्र में एक दूरदर्शी और जनहितकारी पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिससे आने वाले वर्षों में स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को नई गति मिलेगी।

सेक्टर-42 के पार्क में अत्याधुनिक ओपन जिम का उद्घाटन, क्षेत्रवासियों को मिली आधुनिक फिटनेस सुविधा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
22 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़, 22 जून। सेक्टर-42 स्थित मकान नंबर 1150 के सामने पार्क में सोमवार को अत्याधुनिक ओपन जिम का उद्घाटन एरिया पार्षद एवं पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर सिंह बंटी द्वारा महिला सशक्तिकरण के सम्मान में क्षेत्र की महिलाओं से रिबन कटवाकर करवाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे और इस जनहितकारी पहल का स्वागत किया।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि लंबे समय से पार्क में ओपन जिम की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। पहले व्यायाम और फिटनेस गतिविधियों के लिए लोगों को अन्य पार्कों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब यह सुविधा उनके घर के निकट उपलब्ध हो गई है। ओपन जिम स्थापित होने से बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी आयु वर्ग के लोगों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का अवसर मिलेगा। नवनिर्मित ओपन जिम में आठ प्रकार के आधुनिक फिटनेस उपकरण लगाए गए हैं, जिनकी सहायता से कार्डियो और विभिन्न शारीरिक व्यायाम किए जा सकेंगे। यह सुविधा क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और फिटनेस संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए जसबीर सिंह बंटी ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि ओपन जिम के साथ पार्क में नई टेबल और बेंच भी स्थापित की गई हैं, जिससे विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को बैठने, आपसी संवाद और सामाजिक गतिविधियों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा। स्थानीय निवासी हरिंदर रावत ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ओपन जिम लगने से पार्क की सुंदरता और उपयोगिता दोनों में वृद्धि हुई है। अब लोगों को सुबह-शाम सैर के साथ-साथ नियमित व्यायाम करने की भी सुविधा मिलेगी, जिससे स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा।

कार्यक्रम के दौरान नगर निगम के एसडीओ रोहित गर्ग ने बताया कि इस पार्क में ओपन जिम स्थापित करने के साथ-साथ सेक्टर के अन्य पार्कों में भी जिम उपकरण एवं बच्चों के लिए प्ले-इक्विपमेंट लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस ओपन जिम का रखरखाव और मरम्मत कार्य आगामी तीन वर्षों तक संबंधित ठेकेदार द्वारा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त यदि क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की समस्या आती है तो नगर निगम की टीम तत्परता से उसका समाधान करेगी।

उन्होंने कहा कि नगर निगम जनता की सेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है तथा एरिया पार्षद जसबीर सिंह बंटी के मार्गदर्शन में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। आगामी वर्षा ऋतु के दौरान पार्कों में व्यापक पौधारोपण अभियान भी चलाया जाएगा, जिसकी शुरुआत इसी पार्क से की जाएगी।

इस अवसर पर राजकुमार शर्मा, मलकीत सिंह, पवन सिंगला, हरिंदर रावत, ओम प्रकाश गुप्ता, रे ए. तोमर, विनोद कौशल, राजन कालिया, कृष्ण कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आज का

संपादकीय

धुएं में घुटी चीखें, राख में बदले सपने

अग्निकांड केवल हादसे नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियों का परिणाम हैं। हर त्रासदी के बाद संवेदनाएं तो व्यक्त होती हैं, लेकिन स्थायी सुधार अक्सर अधूरे रह जाते हैं। अब समय आ गया है कि नियमों का सख्ती से पालन हो और जवाबदेही तय की जाए। क्योंकि किसी भी देश की असली प्रगति उसके नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में निहित होती है।

भारत में हर बड़ा अग्निकांड केवल एक हादसा नहीं होता, बल्कि वह हमारी व्यवस्था, प्रशासनिक उदासीनता और सुरक्षा मानकों की कमजोरियों का आईना बनकर सामने आता है। हर बार जब किसी स्कूल, अस्पताल, कोचिंग सेंटर, फैक्ट्री या सार्वजनिक भवन में आग लगती है, तो कुछ दिनों तक पूरे देश में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ जाती है। सरकारें जांच के आदेश देती हैं, अधिकारी कार्रवाई का आश्वासन देते हैं और मीडिया लगातार सवाल उठाता है। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, वैसे-वैसे हादसे की स्मृतियां धुंधली पड़ जाती हैं और सुधारों की बातें भी फाइलों में कैद होकर रह जाती हैं। परिणामस्वरूप, एक नई त्रासदी जन्म लेती है और देश फिर उसी दर्दनाक चक्र में फंस जाता है।

एएम नाथ

लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में हुई भीषण आग की घटना ने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर दिया है। पढ़ाई और उज्ज्वल भविष्य के सपने लेकर पहुंचे छात्र कुछ ही मिनटों में आग की भयावह लपटों में घिर गए। किसी ने अपने बेटे को खोया, किसी ने अपनी बेटी को और कई परिवारों के सपने हमेशा के लिए राख में बदल गए। कुछ छात्रों को अपनी जान बचाने के लिए ऊंची मंजिलों से छलांग लगानी पड़ी। यह दृश्य केवल एक दुर्घटना का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता का प्रतीक है, जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में बार-बार असफल साबित हो रही है।

भारत के इतिहास में कई ऐसे अग्निकांड हुए हैं जिन्होंने पूरे देश को सन्न कर दिया। तमिलनाडु के कुंभकोणम स्कूल अग्निकांड में मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। उस हादसे के बाद सुरक्षा नियमों को मजबूत करने, स्कूलों में अग्निशमन उपकरण अनिवार्य करने और भवनों की नियमित जांच की बातें हुई थीं। लेकिन वर्षों बाद भी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिखाई देता। यदि उन नियमों का ईमानदारी से पालन हुआ होता, तो शायद आज भी हमें ऐसी खबरें पढ़ने और सुनने को न मिलतीं।

देश के अनेक शहरों में हजारों भवन ऐसे हैं जो सुरक्षा मानकों की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, जर्जर विद्युत व्यवस्था, आपातकालीन निकास की कमी और अग्निशमन उपकरणों का अभाव आम समस्याएं हैं। कई संस्थान केवल कागजों पर सुरक्षा प्रमाणपत्र हासिल कर लेते हैं, जबकि वास्तविक स्थिति बेहद चिंताजनक होती है। निरीक्षण व्यवस्था भी अक्सर औपचारिकता बनकर रह जाती है, जहां नियमों का पालन सुनिश्चित करने के बजाय खानापूर्ति पर अधिक जोर दिखाई देता है।

कोचिंग सेंटरों की स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। देशभर में लाखों छात्र अपने भविष्य को संवारने के लिए इन संस्थानों का रुख करते हैं। लेकिन इनमें से कई संस्थान ऐसी इमारतों में संचालित होते हैं जहां सुरक्षा की मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं होतीं। क्षमता से अधिक छात्रों को बैठाना, संकरे रास्ते, बंद खिड़कियां और आपातकालीन निकास का अभाव किसी भी दुर्घटना को बड़े हादसे में बदल सकता है। शिक्षा का व्यवसायीकरण जिस तेजी से बढ़ा है, उसी तेजी से सुरक्षा को नजरअंदाज भी किया गया है।

इन घटनाओं का सबसे चिंताजनक पहलू जवाबदेही का अभाव है। हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की घोषणाएं होती हैं। लेकिन बहुत कम मामलों में ऐसी सख्त और त्वरित कार्रवाई देखने को मिलती है जो भविष्य के लिए उदाहरण बन सके। जब तक नियमों के उल्लंघन पर कठोर दंड नहीं दिया जाएगा, तब तक लापरवाही का यह सिलसिला जारी रहेगा।

इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। भवन मालिकों, संस्थानों के कर्मचारियों और आम लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। नियमित फायर ड्रिल, आपातकालीन निकासी अभ्यास और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग की जानकारी कई जिंदगियां बचा सकती है। दुर्भाग्य से भारत में इसे अभी भी अतिरिक्त खर्च या औपचारिक प्रक्रिया मान लिया जाता है, जबकि विकसित देशों में यह सुरक्षा संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आज आवश्यकता केवल नए नियम बनाने की नहीं, बल्कि मौजूदा नियमों को सख्ती से लागू करने की है। आधुनिक फायर अलार्म सिस्टम, धुआं पहचानने वाले सेंसर, स्वचालित स्प्रिंकलर और सुरक्षित निकास मार्ग हर सार्वजनिक भवन में अनिवार्य होने चाहिए। स्थानीय प्रशासन और नगर निकायों को नियमित निरीक्षण के साथ-साथ पारदर्शी निगरानी तंत्र विकसित करना होगा, ताकि सुरक्षा केवल कागजों तक सीमित न रहे।

लखनऊ की त्रासदी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर कितनी जिंदगियां खोने के बाद हम सचमुच जागेंगे? हर हादसे के बाद शोक व्यक्त करना आसान है, लेकिन उन कारणों को खत्म करना कठिन है जो ऐसी त्रासदियों को जन्म देते हैं। यदि हम अब भी नहीं चेते, तो भविष्य में भी न जाने कितने सपने आग की भेंट चढ़ते रहेंगे।

समय आ गया है कि संवेदनाएं केवल शब्दों तक सीमित न रहें। जवाबदेही तय हो, नियमों का पालन सुनिश्चित हो और सुरक्षा को खर्च नहीं बल्कि जीवन की रक्षा का सबसे महत्वपूर्ण निवेश माना जाए। क्योंकि किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसकी इमारतों की ऊंचाई से नहीं, बल्कि अपने नागरिकों की सुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से होती है। आखिर हर अग्निकांड के बाद उठने वाला यह सवाल अब भी हमारे सामने खड़ा है- क्या अगली त्रासदी का इंतजार किया जाएगा, या इस बार सचमुच सबक लिया जाएगा?

दे नहीं सकते, माँगने का कोई हक नहीं

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन
गीता कहती है, कर्म करने का अधिकार है, फल माँगने का नहीं।

मतलब पहले दो, फिर माँगो। पहले इज्जत दो, फिर इज्जत पाओ। पहले मदद करो, फिर मदद की उम्मीद रखो।

ये एक पंक्ति पूरी जिंदगी का हिसाब कर देती है। लेकिन हम उल्टा जी रहे हैं। हम फल माँगते हैं, कर्म भूल जाते हैं। हक माँगते हैं, फर्ज भूल जाते हैं। और जब कुछ नहीं मिलता तो दुनिया कोसते हैं।

दुनिया का नियम सीधा है। जहाँ लेन-देन बराबर रहता है, वहीं रिश्ते टिकते हैं। प्रकृति देखो, सब दे रही है। किसान फसल बोता है, तभी अनाज मिलता है। नदी बहती है, तभी किनारे हरे होते हैं। सूरज रोशनी देता है, तभी धरती जीती है। पेड़ फल देता है, तभी पक्षी आते हैं। देने से ही लेने का हक बनता है। ये नियम इंसान पर भी लागू होता है।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

लेकिन इंसान ने इस नियम को तोड़ दिया। वो चाहता है इज्जत मिले, पर खुद किसी को इज्जत न दे। वो चाहता है मदद मिले, पर खुद किसी के काम न आए। वो चाहता है प्यार मिले, पर खुद किसी से निभाए न। हम माँगने में तेज हैं, देने में कंजूस। हम हक की बात करते हैं, फर्ज भूल जाते हैं। और फिर कहते हैं दुनिया खराब हो गई।

दोस्ती में देखो तो समझ आएगा। स्कूल कॉलेज का वो दोस्त याद करो जो सिर्फ जरूरत पड़ने पर याद करता था। नोट चाहिए तो फोन आएगा, पैसा चाहिए तो मैसेज आएगा। जब तुम मुसीबत में थे, तब वो गायब था। ऐसे दोस्त दूर हो जाते हैं। क्योंकि दोस्ती लेन-देन नहीं, देन-देन है। जहाँ सिर्फ लेना हो, वहाँ दोस्ती नहीं रहती, सौदा रह जाता है। सच्ची दोस्ती वही है जहाँ तुम बिना कहे खड़े हो जाओ। जहाँ तुम्हारा होना ही काफी हो। लेकिन आज दोस्ती भी हिसाब-किताब पर चलती है। जितना मिलेगा उतना दूँगा। ये दोस्ती नहीं, व्यापार है।

रिश्तों में भी यही हो रहा है। पति-पत्नी का रिश्ता हो, भाई-बहन का हो, माँ-बाप और बच्चों का हो - जहाँ सिर्फ उम्मीदें हों और समझ न हो, वहाँ रिश्ते बोझ बन जाते हैं। पति चाहता है पत्नी हर बात माने, पर खुद पत्नी की मेहनत को समझे नहीं। पत्नी चाहती है पति समय दे, पर खुद पति के थकान को न समझे। माँ-बाप बच्चों से कहते हैं हमारा कहना मानो, पर बच्चों की पसंद न पूछें। बच्चे माँ-बाप से सुख चाहते हैं, पर उनके बुढ़ापे का सहारा नहीं बनते। रिश्ता तब तक चलता है जब तक दोनों देना सीखें। जब एक ही देता रहे और दूसरा सिर्फ माँगे, तो रिश्ता टूट जाता है। रिश्ते खून से नहीं, निभाने से चलते हैं।

समाज में भी यही हाल है। हम सरकार से सुविधा माँगते हैं, लेकिन टैक्स चोरी करते हैं। हम सड़क साफ चाहते हैं, लेकिन कचरा सड़क पर फेंकते हैं। हम नेता ईमानदार चाहते हैं, लेकिन खुद वोट नोट पर बेचते हैं। हम पुलिस से सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन खुद ट्रैफिक नियम तोड़ते हैं। हम डॉक्टर से सेवा चाहते हैं, लेकिन फीस देने में आनाकानी करते हैं। लेना सबको है, देना कोई नहीं चाहता। और फिर कहते हैं सिस्टम खराब है। सिस्टम खराब नहीं है, हम खराब हैं। क्योंकि सिस्टम हमसे ही बनता है। हम ही सिस्टम हैं।

ये दोहरा चरित्र हमें खोखला कर रहा है। ऊपर से हम बड़े-बड़े आदर्श की बात करते हैं, अंदर से स्वार्थ में डूबे रहते हैं। ऑफिस में बॉस से कहते हैं इंसाफ चाहिए, और नीचे वाले कर्मचारी का हक मारते हैं। मंदिर में दान देते हैं, और दुकान पर मिलावट करते हैं। सत्संग में बैठकर कहते हैं सब मोह माया है, और जमीन जायदाद के लिए भाई से लड़ते हैं। ये पाखंड नहीं है तो और क्या है? हम खुद को धोखा दे रहे हैं। और सबसे बड़ा नुकसान ये है कि धीरे-धीरे हमें खुद पर भी भरोसा नहीं रहता।

कबीर ने कहा था, देने वाला कोई और है, भेजत जो दिन रैन। मतलब देने वाला ऊपर बैठा है, लेकिन वो उसी को देता है जो देने लायक बनता है। अगर तुमने कभी किसी का सहारा नहीं बना, तो किस मुँह से तुम सहारा माँगोगे? अगर तुमने कभी किसी की इज्जत नहीं की, तो तुम्हारी इज्जत कौन करेगा? अगर तुमने कभी किसी की मदद नहीं की, तो मुसीबत में तुम्हारी मदद कौन करेगा? स्वामी विवेकानंद कहते थे, दूसरों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है।

महात्मा गांधी कहते थे, दुनिया में वो बदलाव बनो जो तुम देखना चाहते हो। लेकिन हम बदलाव माँगते हैं, खुद नहीं बदलते।

गाँव में बुजुर्ग एक बात कहते थे। जब तक कुएँ में पानी डालोगे, तब तक पानी मिलेगा। जिस दिन डालना बंद कर दिया, कुआँ सूख जाएगा। यही नियम रिश्तों और समाज पर लागू होता है। तुमने रिश्ते में प्यार डाला, तो प्यार मिलेगा। तुमने समाज में मेहनत डाली, तो सम्मान मिलेगा। तुमने खाली हाथ रखे, तो खाली हाथ ही रहोगे। ये हिसाब कभी गलत नहीं होता। देर हो सकती है, अंधेर नहीं।

लेकिन आज लोग शॉर्टकट चाहते हैं। बिना मेहनत के पैसा, बिना इज्जत दिए इज्जत, बिना मदद किए मदद। सोशल मीडिया पर देखो। लोग लाखों फॉलोअर चाहते हैं, पर किसी और की पोस्ट पर लाइक तक नहीं करते। बिजनेस में लोग कस्टमर चाहते हैं, पर खुद किसी दुकानदार से मोलभाव करके उसे परेशान करते हैं। नौकरी में प्रमोशन चाहते हैं, पर जूनियर की मेहनत का श्रेय ले लेते हैं। ये सब दे नहीं सकते, माँगते जरूर हैं। और जब नहीं मिलता तो किस्मत कोसते हैं।

इसका नुकसान क्या होता है? पहला नुकसान खुद को होता है। अंदर से अशांति रहती है। रात को नींद नहीं आती। ऊपर से मुस्कुराते हो, अंदर से खाली हो। क्योंकि इंसान का मन जानता है कि वो गलत कर रहा है। दूसरा नुकसान परिवार को होता है। बच्चे वही सीखते हैं जो देखते हैं। अगर बाप सिर्फ माँगेगा और देगा नहीं, तो बच्चा भी वही सीखेगा। तीसरा नुकसान समाज को होता है। जब देने वाले कम हो जाएँ और माँगने वाले बढ़ जाएँ, तो समाज टूट जाता है। फिर न कानून बचता है, न भरोसा।

लेकिन बदलाव मुमकिन है। इसके लिए बड़ी कुर्बानी नहीं चाहिए, सिर्फ सोच बदलनी है।

पहली बात, कर्म को पूजा मानो। अगर तुम दुकानदार हो तो सही तौलो। अगर तुम शिक्षक हो तो बच्चों को पढ़ाओ। अगर तुम किसान हो तो मिलावट मत करो। अगर तुम कर्मचारी हो तो काम चोरी मत करो। अगर तुम ड्राइवर हो तो सवारी को लूटो मत। यही असली पूजा है। मंदिर में घंटी बजाने से बड़ा पुण्य ये है कि तुम किसी का हक न मारो। गीता भी यही कहती है। कर्म ही धर्म है।

दूसरी बात, छोटे से देना शुरू करो। किसी भूखे को खाना खिला दो। किसी की मदद कर दो बिना फोटो खिंचवाए। किसी का सम्मान कर दो बिना मतलब के। किसी बुजुर्ग को सड़क पार करा दो। किसी बच्चे को किताब दे दो। देने की आदत डालो। जब देने की आदत पड़ जाएगी, तो माँगने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। देने से दिल बड़ा होता है। और बड़ा दिल ही बड़ा इंसान बनाता है।

तीसरी बात, खुद से सवाल करो। रात को सोने से पहले पूछो, आज मैंने किसका हक मारा? आज मैंने किसकी मदद की? आज मैंने किसे खुश किया? आज मैंने किसका बोझ हल्का किया? अगर जवाब ईमानदार होगा, तो तुम्हारी फितरत बदलेगी। और जब फितरत बदलेगी, तो रिश्ते बदलेंगे। जब रिश्ते बदलेंगे, तो समाज बदलेगा। बदलाव बाहर से नहीं, अंदर से शुरू होता है।

मेरे गाँव में एक किस्सा है। एक सेठ था। रोज सौ ब्राह्मणों को भोजन कराता था। लोग कहते थे देखो कितना धर्मात्मा है। एक दिन उसका मुनीम पचास लाख लेकर भाग गया। सेठ रोते-रोते पंडित के पास गया, महाराज मैंने इतना पुण्य किया, फिर भी ऐसा क्यों हुआ? पंडित बोला, सेठ जी आप सुबह ब्राह्मणों को खिलाते हो, लेकिन अपने मजदूरों को तीन महीने से तनख्वाह नहीं दी। आपका पुण्य वहीं रुक गया, जहाँ से पाप शुरू हुआ। सेठ की आँखें खुल गईं। उस दिन से उसने पहले मजदूर की तनख्वाह दी, फिर ब्राह्मण को भोजन कराया।

ये कहानी हर इंसान की कहानी है। हम बड़े-बड़े दान करते हैं, लेकिन अपने घर के काम करने वाले की मेहनत का पैसा दबा लेते हैं। हम मंदिर में चढ़ावा चढ़ाते हैं, लेकिन पड़ोसी से उधार लेकर लौटाते नहीं। हम गौशाला में दान देते हैं, लेकिन घर में माँ-बाप को वक्त नहीं देते। हम अनाथालय में कपड़े भेजते हैं, लेकिन अपनी बहन की शादी में हिसाब लगाते हैं।

सुनो, धर्म कपड़े की तरह नहीं है जिसे उतारकर रख दो। धर्म सांस की तरह है जो हर पल साथ हो। अगर तुम किसी की मदद नहीं कर सकते, तो कम से कम किसी का नुकसान मत करो। अगर तुम किसी को खिला नहीं सकते, तो किसी का निवाला मत छीनो। अगर तुम किसी को इज्जत नहीं दे सकते, तो किसी की बेइज्जती मत करो। अगर तुम किसी को सहारा नहीं दे सकते, तो किसी को गिराओ मत।

इसलिए अगली बार जब किसी से कुछ माँगने जाओ, तो खुद से पूछना - क्या मैंने इसके लिए कुछ किया है? क्या मैंने इसके लिए मेहनत की है? क्या मैंने इसके लिए फर्ज निभाया है? क्या मैं देने लायक बना हूँ? अगर जवाब ना हो, तो चुप रहना बेहतर है। क्योंकि चुप रहना भी एक तरह का धर्म है। चुप रहने से कम से कम तुम्हारा पाप नहीं बढ़ेगा।

देने वाला ही माँगने का हक रखता है। बाकी सब भीख है। और भीख पर बना रिश्ता, भीख पर बना समाज, ज्यादा दिन नहीं टिकता। वो टूटता है, और जब टूटता है तो सबको नीचे दबा देता है। इतिहास गवाह है। जहाँ सिर्फ माँगने वाले बढ़े, वहाँ सभ्यताएँ खत्म हो गईं।

इसलिए आज से प्रण लो। देना शुरू करो। छोटा दो, बड़ा दो, पर दो जरूर। मुस्कान दो, समय दो, मदद दो, सम्मान दो, माफी दो, हौसला दो। जब तुम दोगे, तो दुनिया भी तुम्हें देगी। और जब दुनिया देगी, तो तुम्हें माँगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। तुम माँगने वाले नहीं, देने वाले बन जाओगे।

क्योंकि सच यही है -
दे नहीं सकते, तो माँगने का कोई हक नहीं।
और जो देता है, उसे माँगना नहीं पड़ता।
दुनिया खुद उसके दरवाजे पर आती है।

ओलंपिक तैयारी : नए भारत का संकल्प

तेज़तर, ऊँचतर, शक्तिशालीतर – साथ मिलकर का ओलंपिक आदर्श वाक्य केवल खेल प्रतियोगिता का संदेश नहीं देता, बल्कि यह मानव क्षमता, दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रगति का प्रतीक भी है। प्रत्येक वर्ष 23 जून को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस दुनिया भर के लोगों को खेलों के माध्यम से स्वास्थ्य, मित्रता और उत्कृष्टता का संदेश देता है। भारत के लिए यह दिवस विशेष महत्व रखता है, क्योंकि आज देश ओलंपिक खेलों में केवल भाग लेने वाला राष्ट्र नहीं, बल्कि अधिक से अधिक पदक जीतने की आकांक्षा रखने वाला उभरता हुआ खेल राष्ट्र बन चुका है।

विशाल कल्याण

भारत का ओलंपिक इतिहास गौरव और संघर्ष दोनों का साक्षी रहा है। एक समय ऐसा था जब देश की पहचान मुख्य रूप से हॉकी में उसके स्वर्णिम प्रदर्शन से होती थी। लेकिन बदलते समय के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने अनेक व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बैडमिंटन, कुश्ती, मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, निशानेबाजी और एथलेटिक्स जैसे खेलों में भारत ने लगातार प्रगति की है। विशेष रूप से पिछले कुछ ओलंपिक संस्करणों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने देशवासियों की उम्मीदों को नई उड़ान दी है।

टोक्यो ओलंपिक में भारत ने सात पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया था। इसके बाद से देश में यह विश्वास और मजबूत हुआ कि यदि योजनाबद्ध तरीके से तैयारी की जाए तो भारत भविष्य में दोहरे अंक में पदक जीतने का लक्ष्य भी हासिल कर सकता है। यही सोच आज भारत की खेल नीतियों और कार्यक्रमों में दिखाई देती है।

भारत सरकार ने खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण योजनाएँ शुरू की हैं। इनमें सबसे प्रमुख टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम है। इस योजना का उद्देश्य उन खिलाड़ियों को विशेष सहायता प्रदान करना है, जिनमें ओलंपिक पदक जीतने की क्षमता दिखाई देती है। इसके अंतर्गत खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी, विदेशी कोच, आधुनिक उपकरण, खेल विज्ञान विशेषज्ञ तथा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इससे खिलाड़ी आर्थिक दबाव से मुक्त होकर पूरी ऊर्जा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने में लगा पाते हैं।

इसी प्रकार खेलो इंडिया कार्यक्रम ने देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों से आने वाले खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति, प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की वास्तविक प्रतिभा अक्सर महानगरों से दूर छोटे कस्बों और गाँवों में छिपी होती है।

ओलंपिक सफलता के लिए केवल प्रतिभा पर्याप्त नहीं होती, बल्कि वैज्ञानिक प्रशिक्षण भी उतना ही आवश्यक है। आधुनिक खेल विज्ञान ने खेलों का स्वरूप बदल दिया है। अब खिलाड़ियों की फिटनेस, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, तकनीकी दक्षता और रिकवरी पर विशेषज्ञों की टीम काम करती है। भारतीय खेल संस्थानों में भी बायोमैकेनिक्स, डेटा विश्लेषण, फिजियोथेरेपी और स्पोर्ट्स साइकोलॉजी का उपयोग बढ़ा है। इससे खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतर सुधार हो रहा है।

भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी प्रशिक्षण शिविरों में भेजने की नीति भी काफी प्रभावी सिद्ध हुई है। विश्व के श्रेष्ठ खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के साथ अभ्यास करने से भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्राप्त होता है। इससे उनकी रणनीतिक समझ विकसित होती है और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं में मानसिक दृढ़ता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी शारीरिक क्षमता।

निशानेबाजी को भारत की सबसे मजबूत पदक संभावनाओं में शामिल किया जा रहा है। देश के युवा निशानेबाजों ने विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। आधुनिक शूटिंग रेंज, विदेशी प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता के कारण इस खेल में भारत की उम्मीदें पहले से कहीं अधिक बढ़ी हैं। यदि खिलाड़ी अपनी लय बरकरार रखते हैं तो भविष्य में इस खेल से कई पदकों की संभावना बन सकती है।

बैडमिंटन भी भारत की बड़ी ताकत बनकर उभरा है। भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। बेहतर अकादमियों, प्रशिक्षकों और खेल अवसंरचना के कारण नई पीढ़ी के खिलाड़ी भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसी प्रकार मुक्केबाजी और कुश्ती में भारत की परंपरागत मजबूती बनी हुई है। इन खेलों में महिला खिलाड़ियों ने भी देश का नाम रोशन किया है और आने वाले वर्षों में उनसे बड़ी उपलब्धियों की उम्मीद की जा रही है।

भारोत्तोलन में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। खिलाड़ियों की तकनीकी तैयारी, पोषण प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में नियमित भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे उनका अनुभव बढ़ता है और वे दबावपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं।

एथलेटिक्स के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ देश के खेल इतिहास में नए अध्याय जोड़ रही हैं। कभी यह माना जाता था कि एथलेटिक्स में पदक जीतना भारतीय खिलाड़ियों के लिए अत्यंत कठिन है, लेकिन अब परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं। ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों की बढ़ती सफलता ने लाखों युवाओं को प्रेरित किया है। इससे एथलेटिक्स के प्रति आकर्षण बढ़ा है और नई प्रतिभाएँ सामने आ रही हैं।

हालाँकि भारत के सामने कई चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। देश के अनेक हिस्सों में अभी भी गुणवत्तापूर्ण खेल सुविधाओं का अभाव है। प्रशिक्षित कोचों की कमी, खेल संघों में प्रशासनिक विवाद, खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव और चोट प्रबंधन की समस्याएँ भी चिंता का विषय हैं। कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी आर्थिक संसाधनों के अभाव में समय से पहले खेल छोड़ने को विवश हो जाते हैं। इसलिए खेल योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पारदर्शी प्रशासन की आवश्यकता बनी हुई है।

खेलों के प्रति समाज की सोच में बदलाव भी अत्यंत आवश्यक है। लंबे समय तक खेलों को केवल शौक या मनोरंजन के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब यह धारणा बदल रही है। अभिभावक अपने बच्चों को खेलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। कॉर्पोरेट क्षेत्र का निवेश, मीडिया का समर्थन और खिलाड़ियों की प्रेरणादायक सफलता ने खेलों को नई पहचान दी है। यह सकारात्मक परिवर्तन भारत की भविष्य की ओलंपिक संभावनाओं को और मजबूत करेगा।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों का भी निर्माण करते हैं। अनुशासन, समर्पण, टीम भावना, धैर्य और सम्मान जैसे गुण खेलों के माध्यम से विकसित होते हैं। एक स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण में खेलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आज भारत के पास विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है। यदि इस युवा शक्ति को सही दिशा, पर्याप्त संसाधन और निरंतर प्रोत्साहन मिले, तो भारत आने वाले ओलंपिक खेलों में इतिहास रच सकता है। प्रतिभा की कोई कमी नहीं है; आवश्यकता केवल उसे पहचानने, निखारने और अवसर प्रदान करने की है।

अंततः कहा जा सकता है कि भारत की ओलंपिक यात्रा अब नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। सरकार की योजनाएँ, खेल विज्ञान का उपयोग, अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण, मजबूत खेल अवसंरचना और खिलाड़ियों का बढ़ता आत्मविश्वास इस बात के संकेत हैं कि भविष्य में भारत पहले की तुलना में अधिक पदक जीतने की क्षमता रखता है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर हमें अपने खिलाड़ियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए यह संकल्प लेना चाहिए कि देश में खेल संस्कृति को और मजबूत बनाएँगे। जिस दिन भारत का तिरंगा ओलंपिक मंच पर बार-बार लहराएगा और राष्ट्रगान बार-बार गूँजेगा, उस दिन करोड़ों भारतीयों का यह सपना वास्तविकता में बदल जाएगा।

संक्षिप्त न्यूज

फटोह में नवनिर्वाचित प्रधान मंगल ठाकुर का भव्य स्वागत, विकास कार्यों को दी प्राथमिकता

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- हिमाचल प्रदेश सरकार पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित ग्रामीण क्षेत्रों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ आम जनता तक पहुंचाना मेरा प्रथम कर्तव्य है ये शब्द बड़गांव ग्रामपंचायत के प्रधान मंगल सिंह ठाकुर द्वारा गांव फटोह व भिड़े में गांववासियों द्वारा आयोजित सम्मान स्वागत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित स्थानीय जनता को अपने सम्बोधन में सम्बंधित करते हुए कहे उन्होंने कहा कि यह गांव विकास की दृष्टि से काफी पिछड़ गया है जिसके चलते इस गांव में सड़क, बिजली, पानी व अन्य स्वास्थ्य सुविधाओ के अलावा किसानों एवं बागवानों की समस्यायों का चरणबद्ध तरीके से पूर्ण समाधान किया अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़गांव के नवनिर्वाचित प्रधान मंगल ठाकुर का फटोह पहुंचने पर गांववासियों एवं महिलाओं ने गर्मजोशी से पुष्पहार पहनाकर भव्य स्वागत किया है। गौरतलब है कि यह स्वागत समारोह ग्रामीणों द्वारा चुनावों में शानदार जीत के बाद प्रथम बार पहचने पर आयोजित किया गया गौरतलब है कि इस पंचायत बड़गाव के गांव फटोह खनेटी के ग्रामीणों द्वारा ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ तिलक लगाकर पगड़ी और माला पहनाकर प्रधान का स्वागत है श्री राम के उद्घोष साथ किया गया है। इस अवसर पर ग्रामीणों ने गांव में अधूरे पड़े कार्यो व अधूरे व कच्चे रास्तो के बारे में नवनिर्वाचित प्रधान को अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि बरसों बाद भी उनका गांव विकास के लिए तरस रहा है।

नव निर्वाचित प्रधान मंगल ठाकुर ने लोगों को विश्वास दिलाया कि चरणबद्ध तरीके से सभी कार्य पूर्ण किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पंचायत के लिए क्षेत्र के विधायक श्री कटवाल के सहयोग से 25 सोलर लाइटों का प्रबंध किया जा चुका है जो जल्द ही पंचायत के सभी वार्डों में स्थापित की जाएगी इसके अलावा अन्य रुके हुए कार्यों को पूरा करवाने के साथ ही अन्य कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। इस मौके पर सुनीत सिंह सुभाष चंद्र नवीन कुमार नंदकिशोर देवराज पंजाब पुलिस से सेवा निवृत्त अधिकारी रूप सिंह उर्फ रूपी, प्रेम लाल , राजेंद्र राणा,जय सिंह चमन लाल सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

घरेड़ स्कूल में नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

बीडीओ ने बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों से कराया अवगत

बद्दी, 22 जून (तारा) - राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय घरेड में 17 जून से 20 अगस्त तक चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

बीडीओ कुलदीप सिंह ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत करवाते हुए नशे से दूर रहने का संदेश दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रेनू रामपाल ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी कुलदीप सिंह, ग्राम पंचायत नालका के प्रधान मेहर चंद तथा उपप्रधान जसविंदर सिंह, पीजीटी ममता रानी, प्रवक्ता चंद्रभागा,, प्रतिभा मोहिनी , किरण बाला , करण ठाकुर, डीपीई गितेन्द्र कुमार एवं कंप्यूटर शिक्षक राजीव राणा सहित विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षण संस्थान बंद करने के बहाने खोजने के बजाय छात्र संख्या बढ़ाने पर ध्यान दें मुख्यमंत्री : जयराम ठाकुर

दूध खरीद को लेकर सिर्फ झूठ बोल रहे मुख्यमंत्री, लोगों का पूरा दूध खरीद जा रहा है और नहीं उन्हें समय पर पैसा मिल रहा

» प्रथम न्यूज । शिमला

22 जून (बी.शर्मा)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर से दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र ननखड़ी से रामपुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता कौल नेगी के नेतृत्व में आए एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर सरकार द्वारा राजकीय महाविद्यालय ननखड़ी के विलय के फैसले को वापस लेने की मांग उठाने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि ननखड़ी जैसे दूरस्थ क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। इसके बंद होने से सैकड़ों विद्यार्थियों, विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के सामने पढ़ाई जारी रखने का संकट खड़ा हो गया है।

नेता प्रतिपक्ष ने प्रतिनिधिमंडल की बात सरकार के समक्ष रखने का भरोसा दिलाया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि व्यवस्था परिवर्तन वाली 'सुख की सरकार' प्रदेश में लगातार तालाबंदी के मिशन पर जुटी हुई है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और अन्य जनहित के संस्थानों को बंद करने का बीड़ा उठाया हुआ है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उनके ऐसे फैसलों में न कोई तर्क होता है और न ही कोई लोकतांत्रिक प्रक्रिया। उन्होंने अपने फैसलों से बार-बार पलटने में भी महारत हासिल कर ली है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर प्रदेश के शिक्षा तंत्र को कमजोर कर रही सुक्खू सरकार का राजकीय महाविद्यालय ननखड़ी समेत प्रदेश भर के 10 महाविद्यालयों को बंद करने का फैसला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, जनविरोधी और दूरदर्शिता से रहित है। अत्यंत दुर्गम पर्वतीय क्षेत्र में स्थित ननखड़ी समेत अन्य महाविद्यालयों को बंद कर सरकार ने स्थानीय युवाओं के उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसरों पर सीधा प्रहार किया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों में न तो कोई स्पष्टता है और न ही कोई समानता। एक तरफ सरकार संसाधनों की दुहाई देकर स्कूल और कॉलेज बंद कर रही है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस नेताओं के दबाव में आकर अपने फैसले पलट रही है। सरकार ने हाल ही में बंद किए गए 10 में से 5 महाविद्यालयों को दोबारा खोल दिया। इससे स्पष्ट है कि सरकार के फैसले किसी नीति या जनहित के आधार पर नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव और पक्षपात के आधार पर लिए जा रहे हैं। क्योंकि जिन महाविद्यालयों को दोबारा खोला गया, उनके लिए भी कोई निर्धारित और पारदर्शी मानक सामने नहीं रखे गए।

मुख्यमंत्री से आग्रह है कि छात्र संख्या का बहाना बनाकर स्कूलों और कॉलेजों को बंद करने की बजाय छात्र संख्या बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। हिमाचल प्रदेश में एक भी बच्चे के लिए स्कूल खोलने की परंपरा रही है। शिक्षा के विस्तार और पहुंच को सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि संस्थानों पर ताले लटकाना।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री को प्रदेश के सभी बंद किए गए महाविद्यालयों के मामलों में एक समान नीति अपनानी चाहिए। किसी भी संस्थान के भविष्य का निर्णय राजनीतिक दबाव या दलगत हितों के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी भौगोलिक परिस्थितियों, क्षेत्रीय आवश्यकता, विद्यार्थियों की संख्या और स्थानीय जनभावनाओं को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। विशेष रूप से दुर्गम और पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित शिक्षण संस्थानों के मामले में संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि ननखड़ी महाविद्यालय को बंद करने के निर्णय पर तत्काल पुनर्विचार करें और स्थानीय युवाओं के हित में इसे बिना किसी देरी के बहाल करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के अवसर बढ़ाना सरकार की जिम्मेदारी है, उन्हें छीनना नहीं।

दूध खरीद को लेकर सिर्फ झूठ बोल रहे मुख्यमंत्री, लोगों का पूरा दूध खरीद जा रहा है और नहीं उन्हें समय पर पैसा मिल रहा

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेशभर में घूम-घूमकर दूध खरीद को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत उनके दावों की पोल खोल रही है।

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में दूध संग्रहण केंद्रों पर किसानों का पूरा दूध नहीं खरीदे जाने के कारण विरोध प्रदर्शन और दूध फेंकने जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हिमाचल संभवत: देश का एकमात्र राज्य बन गया है जहां दूध खरीद पर भी कैपिंग लगाई गई है। यह निर्णय पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों के साथ अन्याय है। पशुपालन करने वाले किसान भारी निवेश, चारे, दवाइयों और श्रम के बल पर दूध उत्पादन करते हैं। ऐसे में सरकार यह कैसे तय कर सकती है कि किसी किसान से कितना दूध खरीदा जाएगा? जिन किसानों ने अधिक पशु पाल रखे हैं और जिनके यहां अधिक उत्पादन हो रहा है, उनके दूध का क्या होगा? जिन किसानों का दूध खरीदा जा रहा है उन्हें भी समय पर भुगतान नहीं मिल रहा है।

मुख्यमंत्री को झूठे दावों और प्रचार से बाहर निकलकर पशुपालकों की वास्तविक समस्याओं का समाधान करना चाहिए, क्योंकि उनकी नीतियों के कारण प्रदेश का दुग्ध क्षेत्र गंभीर संकट का सामना कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मजारी विद्यालय में योगाभ्यास, विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने अपनाया स्वस्थ जीवन का संकल्प

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

22 जून (जितेंद्र गौतम)

अंतराष्ट्रीय योग दिवस के दिन विद्यालय में अवकाश होने से एक दिन पूर्व ही योग दिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी में योग एवं प्राणायाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों, अध्यापकों तथा स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरजीत ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने की एक प्राचीन भारतीय पद्धति है। उन्होंने कहा कि योग से सकारात्मक सोच, सात्विक ऊर्जा और आत्मविश्वास का निर्माण होता है, जिससे कठिन से कठिन कार्य भी सरल प्रतीत होने लगते हैं। वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में तनाव, चिंता और विभिन्न शारीरिक समस्याओं से बचाव के लिए योग अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की वरिष्ठ प्रवक्ता अनुराधा शर्मा एवं अध्यापिका शैली अग्निहोत्री , रेणु शर्मा, सुमन ठाकुर ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा सूक्ष्म व्यायाम करवाए तथा उनके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि योग का अधिकतम लाभ तभी प्राप्त होता है जब इसे नियमित रूप से, सही विधि और प्रशिक्षित मार्गदर्शन में किया जाए। गलत तरीके से किया गया योग लाभ के स्थान पर हानि भी पहुँचा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन प्रात:काल खाली पेट किया गया योग एवं व्यायाम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाता है तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है।

स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गुरमेल सिंह ने विद्यार्थियों को मोबाइल, टीवी और अन्य डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों से बचने तथा प्रतिदिन कुछ समय योग और ध्यान के लिए निकालने की प्रेरणा दी। योग एकाग्रता बढ़ाने, स्मरण शक्ति को मजबूत करने, तनाव कम करने तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करने का प्रभावी माध्यम है। वर्तमान जीवनशैली में बढ़ते तनाव, मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अवसाद जैसी समस्याओं से बचाव के लिए योग एक सरल एवं प्रभावी उपाय है।

इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य नीलम धीमान, प्रवक्ता अंग्रेजी अनुराधा शर्मा, राजेश शर्मा, हरप्रीत कौर, सतनाम कौर, रेखा अत्री, रेणु शर्मा, सुमन ठाकुर, प्रमोद ठाकुर, शैली अग्निहोत्री, गुरदीप सिंह, बलबीर सिंह,वरिष्ठ सहायक कश्मीर सिंह, राजिंदर सिंह, अमिता कुमारी, रोशन लाल, दर्शना, डिंपी, शीला सहित विद्यालय के विद्यार्थी एवं स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गुरमेल सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा नियमित योग अपनाने और स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ किया गया।

एसजेवीएन ने 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

बिलासपुर(जितेंद्र गौतम)- श्री भूपेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कर्मचारियों को शारीरिक स्वास्थ्य, समग्र कल्याण, मानसिक सजगता तथा आंतरिक सामंजस्य के लिए नियमित रूप से योग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

एसजेवीएन ने कारपोरेट मुख्यालय, शिमला तथा भारत और नेपाल स्थित समस्त कार्यालयों एवं परियोजनाओं में हर्षोल्लास एवं उमंग के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक) ने 412 मेगावाट रामपुर जलविद्युत स्टेशन, हिमाचल प्रदेश में आयोजित विशेष योग सत्र का शुभारंभ किया तथा उसमें भाग लिया। इस अवसर पर श्री विकास मारवाह, परियोजना प्रमुख (रामपुर एचपीएस), श्री विवेक शर्मा, परियोजना प्रमुख (लूहरी-1 एचईपी) तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने योगाभ्यास किया।

श्री पार्थजीत डे, निदेशक (वित्त) ने एसजेवीएन के सम्पर्क कार्यालय, नई दिल्ली में योग सत्र का शुभारंभ किया तथा वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ इस योग सत्र में योगाभ्यास किया।

श्री राजेश कुमार चंदेल, निदेशक (परियोजनाएं) ने निगम मुख्यालय, शिमला में आयोजित योग सत्र का शुभारंभ किया तथा उसमें सहभागिता की। इस अवसर पर विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी इस सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' शारीरिक सुदृढ़ता, लचीलापन, स्फूर्ति एवं मानसिक दृढ़ता को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डालती है, जिससे व्यक्ति बढ़ती आयु में भी स्वस्थ, सक्रिय एवं संतुलित जीवन व्यतीत कर सकें। योग सत्रों के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों, प्राणायाम एवं ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया, जिनका उद्देश्य शारीरिक सुदृढ़ता, मानसिक स्वास्थ्य तथा आध्यात्मिक सामंजस्य को सुदृढ़ करना था।

गहन संतृप्ति अभियान को गति देने पर जोर, बैंकर्स समीक्षा बैठक आयोजित

*15 जून-15 जुलाई अभियान के तहत शेष लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने हैकी रणनीति पर चर्चा

» प्रथम न्यूज । शिमला

22 जून (बी.शर्मा)

हिमाचल प्रदेश में 15 जून से 15 जुलाई 2026 तक चल रहे एक माह के गहन संतृप्ति अभियान की प्रगति की समीक्षा के लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंकों के राज्य एवं जोनल प्रमुखों की बैठक यूको बैंक स्थित एसएलबीसी कार्यालय, शिमला में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवाएँ विभाग (डीएफएस), नई दिल्ली के निदेशक विवेक गुप्ता ने की।

बैठक में अभियान के तहत राज्य के उन सभी शेष क्षेत्रों, खातों और पात्र लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने की रणनीति पर चर्चा की गई, जो अभी विभिन्न वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से वंचित हैं। अभियान के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पुनः-केवाईसी अद्यतन,

नामांकन पंजीकरण, साइबर धोखाधड़ी के प्रति जागरूकता, निष्क्रिय खातों को सक्रिय करना तथा नए प्रधानमंत्री जनधन खाते खोलना शामिल हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए विवेक गुप्ता ने सभी शेष खातों एवं क्षेत्रों में शत-प्रतिशत संतृप्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पुनः-केवाईसी प्रक्रिया को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए तथा हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में बरसात से पहले अधिक से अधिक क्षेत्रों में पहुंच बनाई जाए। उन्होंने इस अवधि को बैंकों के लिए दूरस्थ एवं आंतरिक क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर बताया।

एसएलबीसी हिमाचल प्रदेश के संयोजक कमल शर्मा ने अभियान की वर्तमान स्थिति और बैंक-वार प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने मौजूदा अंतरालों की जानकारी देते हुए आगे की कार्ययोजना साझा की तथा राज्यभर में नियमित शिविरों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति वाले मेगा शिविरों के आयोजन पर विशेष जोर दिया।

बैठक में एसबीआई, पीएनबी, आईओबी, केनरा बैंक, एचपी ग्रामीण बैंक, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक सहित विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अभियान को सफल बनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ अधिकतम लोगों तक पहुंचाने के लिए अपनी रणनीतियां और रोडमैप साझा किए।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत चयनित 22 गांवों में जल्द शुरू होंगे विकास कार्य डीसी

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

22 जून (धर्मपाल)

धर्मपाल उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत जिला में चयनित 22 गांवों में शीघ्र ही विकास कार्य आरंभ किए जाएंगे। उपायुक्त आज बचत भवन बिलासपुर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय अभिसरण समिति की त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उपायुक्त ने कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए जिले के चारों विकास खंडों की विभिन्न ग्राम पंचायतों के अंतर्गत 22 गांवों का चयन प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा उन गांवों को इस योजना में शामिल किया जाता है जहां अनुसूचित जाति की आबादी 40 प्रतिशत या उससे अधिक है। उन्होंने कहा कि चयनित पंचायतों द्वारा ग्राम विकास योजनाएं (वीडीपी) तैयार की जाएगी, जिसके लिए प्रत्येक पंचायत को 40-40 हजार रुपए की राशि जारी कर दी गई है। राहुल कुमार ने बताया कि योजना के अंतर्गत चयनित प्रत्येक गांव को विकास कार्यों के लिए 20-20 लाख रुपए की राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। इन निधियों का उपयोग स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप सड़क, पेयजल, विद्युत, सामाजिक सुरक्षा तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास पर किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि ग्राम विकास योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में पंचायतों को पूरा सहयोग प्रदान किया जाए ताकि विकास कार्य

समयबद्ध ढंग से शुरू होकर निर्धारित अवधि में पूरे किए जा सकें। बैठक में उपायुक्त ने गत वर्षों के दौरान योजना के तहत चयनित 25 गांवों में किए गए विकास कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होंने बताया कि अधिकांश गांवों में विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि चार गांवों जिनमें ग्राम पंचायत कोसरिया के गांव जंगल जयश्री देवी एवं कोसरियां, ग्राम पंचायत त्यूनखास का गांव त्यूनखास तथा ग्राम पंचायत बकरोआ के गांव बेलू खारयाला और बल्हसीहना शामिल हैं। उपायुक्त ने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत वर्ष 2025-26 में चयनित हुए है ये 22 गांव:बिलासपुर विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत बेनला ब्राहमणा का गांव लुहणू कनैता, निचली भटेड का गांव बघर्डी, धौण कोठी पंचायत का गांव धौण कोठी, बरमाणा पंचायत का गांव नालग तथा बल्ह बल्हवाणा पंचायत का गांव तरेड़ शामिल हैं। घुमारवीं विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत लुहारवीं का गांव बरोटा, पनोह पंचायत का गांव सनौर, दाबला पंचायत का गांव दाबला तथा तल्याणा पंचायत का गांव बेहल नवाणे चयनित किए गए हैं। इसी तरह झंडूता विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत सलवाड का गांव बल्ह चलोग, बरठीं का गांव गुआवं, डाहड़ का गांव डाहड़, डमली पंचायत का गांव धराडसानी, बडगांव गलू पंचायत का गांव बडगांव, सुन्हाणी पंचायत का गांव डूहक, बैहना ब्राहम्णा पंचायत का गांव बैहना ब्राहम्णा, दाड़ी-भाड़ी पंचायत का गांव रछेड़ा, बड़ोल पंचायत का गांव पोली तथा बल्हसीना पंचायत का गांव कथ्यूण शामिल हैं। तो वहीं श्री नैना देवी जी विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत टोबा संगवाणा का गांव नीलां, ग्राम पंचायत टाली का गांव दगडाहण तथा ग्राम पंचायत री का गांव री चयनित किया गया है

वैभव सूर्यवंशी का साथ छोड़ेगा यह धाकड़ बल्लेबाज ?

आईपीएल 2027 को शुरु होने में अभी पूरे एक साल बाकी हैं, लेकिन उससे पहले ही टीमों बदलाव की सुगबुगाहट चल पड़ी है। सबसे ज्यादा सुर्खियों में मुंबई इंडियंस की टीम है, जो एक नए सिरे से टीम को तैयार करने में जुटी हुई है। मुंबई की टीम अब पुराने खिलाड़ियों की जगह नए खिलाड़ियों पर भरोसा जताने की कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में उसने अन्य फ्रेंचाइजियों से ट्रेड को लेकर बातचीत भी शुरू कर दी है। मुंबई इंडियंस की नजर बदलाव पर है और फिलहाल उसके निशाने पर सबसे पहले राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल हैं।

हार्दिक को ट्रेड करेगी मुंबई?

दरअसल, रेव स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई इंडियंस की टीम हार्दिक पांड्या को ट्रेड करने पर विचार कर रही है।

हार्दिक ने भी खुलकर इजहार कर दिया है कि वह अगला सीजन मुंबई की फ्रेंचाइजी में नहीं बिताना चाहते। यह बात सामने आई थी कि वह फ्रेंचाइजी और पुराने खिलाड़ियों के साथ नहीं देने से खुश नहीं हैं और फ्रेंचाइजी छोड़ने का पूरा विचार कर लिया है।

ऐसे में मुंबई ने उनके ट्रेड के लिए राजस्थान रॉयल्स से बातचीत शुरू की है। राजस्थान ने भी हार्दिक को साइन करने में दिलचस्पी दिखाई है। इसके लिए राजस्थान यशस्वी को ट्रेड करने पर विचार कर रहा है।

ट्रेड की अटकलों का बाजार क्यों गरमाया?

राजस्थान ने जब 2025 में संजू सैमसन के चोटिल होने पर और उनकी गैरमौजूदगी में रियान पराग को अस्थाई कप्तान बनाया था, तब भी यशस्वी नाराज दिखे थे और तब भी उनके फ्रेंचाइजी छोड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, तब यशस्वी रुक गए थे और सीजन बिताया था। फिर 2026 में भी रियान की कप्तानी में टीम खेली और रियान की गैरमौजूदगी में यशस्वी को कप्तान बनाया गया। सैमसन के राजस्थान फ्रेंचाइजी छोड़ने पर यशस्वी के लिए रास्ता खुला था, कि वह फ्रेंचाइजी के सबसे बड़े सुपरस्टार बन सकते हैं। हालांकि, अब उनके ट्रेड की अटकलें फिर से लगनी शुरू हो गई हैं।

वैभव को ढूंढना पड़ेगा नया साथी?

- अगर यशस्वी फ्रेंचाइजी छोड़ते हैं तो उनका और वैभव सूर्यवंशी का साथ छूट जाएगा।
- इन दोनों ने आईपीएल 2026 में राजस्थान को कई मौकों पर बेहतरीन शुरुआत दी थी।
- वैभव ने भी बताया था कि यशस्वी उन्हें लगातार टिप्स देते रहते हैं और एकाग्रता बनाए रखने की सीख देते हैं।
- हालांकि, अगर वह मुंबई में भी जाते हैं तो यह उनके करियर को नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है।
- यशस्वी मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में खेलते हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस उनके लिए घर जैसा हो सकता है।

नई जनरेशन की टीम बनाने पर जोर?

रोहित शर्मा अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और ऐसे में हार्दिक-सूर्यकुमार के निकल जाने पर मुंबई टीम मैनेजमेंट नई जनरेशन की टीम बनाने पर जोर दे सकता है। और इस कड़ी में यशस्वी सबसे शानदार विकल्प के तौर पर दिख रहे हैं। पर क्या मुंबई की टीम उन्हें कप्तानी भी ऑफर करेगी? यह तो वक्त ही बताएगा। फिलहाल आईपीएल के अगले सीजन को लेकर अभी से ही दिलचस्पी बढ़ती दिख रही है।

इंग्लैंड टीम पर लगा भारी जुर्माना, आईसीसी ने 12 डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स भी काटे

न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में धीमी गति से ओवर डालने के कारण आईसीसी ने इंग्लैंड टीम पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही इंग्लिश टीम के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के 12 प्वाइंट्स भी काटे गए हैं। आईसीसी के अनुसार, तय समय के हिसाब से इंग्लैंड की टीम दूसरे टेस्ट में 12 ओवर पीछे रही और इसी वजह से मेजबान टीम पर जुर्माना लगाया गया है। इंग्लैंड टीम पर यह जुर्माना मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट द्वारा लगाया गया है। टीम को आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 का दोषी पाया गया है। डब्ल्यूटीसी की प्लेइंग कंडीशंस के आर्टिकल 16.11.2 के अनुसार, तय समय के अंदर ओवर पूरे नहीं करने की स्थिति में हर ओवर कम फेंकने पर टीमों का एक प्वाइंट काट लिया जाता है। इस मुकाबले में इंग्लैंड टीम की कप्तानी करने वाले जो रूट ने गलती को मान लिया है और सजा को स्वीकार कर लिया है, जिसके कारण औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी है।

आईसीसी द्वारा लगाए गए इस जुर्माने से इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा है। डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में अब इंग्लैंड सातवें नंबर पर पहुंच गई है और टीम के कुल 38 प्वाइंट्स हैं। वहीं, इंग्लिश टीम का जीत प्रतिशत 26.39 है। यह दूसरा मौका है, जब इंग्लैंड के डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स काटे गए हैं। इससे पहले, पिछले साल भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए टेस्ट मैच के बाद भी इंग्लैंड को 2 डब्ल्यूटीसी प्वाइंट गंवाने पड़े थे। इंग्लैंड का प्रदर्शन दूसरे टेस्ट में काफी निराशाजनक रहा और टीम को न्यूजीलैंड के हाथों 253 रनों की बड़ी हार झेलनी पड़ी। न्यूजीलैंड से मिले 463 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथी पारी में इंग्लैंड की पूरी टीम सिर्फ 209 रन बनाकर ऑलआउट हुई। कप्तान जो रूट ने 77 रन बनाए, जबकि हैरी ब्रूक ने 58 रनों का योगदान दिया। हालांकि, इन दोनों को छोड़कर बाकी इंग्लिश बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पहली पारी में न्यूजीलैंड द्वारा बनाए गए 391 रनों के जवाब में इंग्लैंड की टीम 291 रन ही बना सकी थी।

T20 वर्ल्ड कप में मैच से पहले बर्गर-पिज्जा उड़ा रही थी पाकिस्तानी टीम

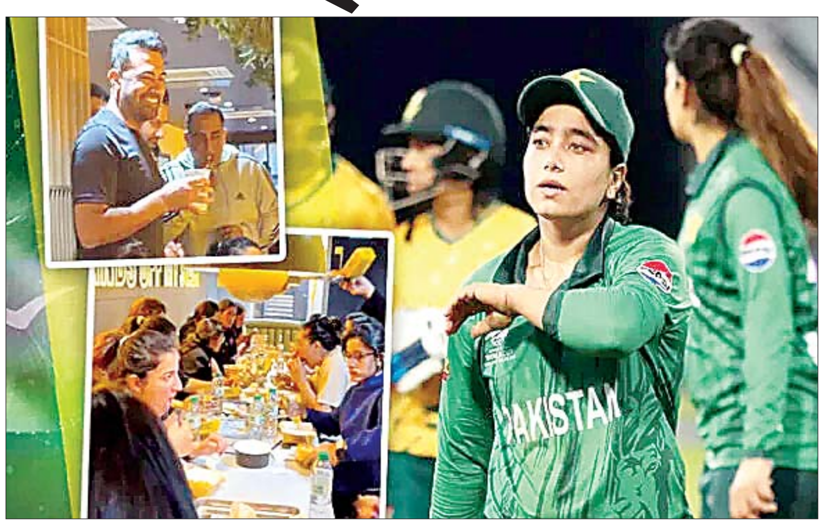

बीच टूर्नामेंट कोच की इस हरकत ने कटाई नाक

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के लचर प्रदर्शन ने फैंस को बुरी तरह निराश किया है। लेकिन, अब इस टीम की एक ऐसी शर्मनाक हरकत का भंडाफोड़ हुआ है, जिसने पूरी दुनिया में पाकिस्तान क्रिकेट की फजीहत करा दी है। दरअसल, एक बेहद अहम मुकाबले से ठीक पहले पूरी पाकिस्तानी टीम और उनके कोच वहाब रियाज जमकर फास्ट फूड उड़ाते हुए नजर आए। इसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई हैं। आईसीसी जैसे बड़े टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का यह गैर-जिम्मेदाराना रवैया उनके जीतने के मंसूबों पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। हद तो तब हो गई जब कोच वहाब रियाज खिलाड़ियों को फिटनेस के प्रति टोकने के बजाय खुद भी उनके साथ दावत उड़ाते नजर आए।

इंग्लैंड के रेस्टोरेंट में की जमकर दावत

पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के एक रेस्टोरेंट में जाकर जिस तरह से जंक फूड पर धावा बोला, उसका भारी खामियाजा उन्हें मैदान पर अपनी सेहत और हार के रूप में भुगतना पड़ा। बता दें कि पाकिस्तानी टीम ने 20 जून को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले से ठीक पहले यह फास्ट फूड पार्टी की थी। वर्ल्ड कप जैसे प्रतिष्ठित और दबाव वाले टूर्नामेंट के बीच पाकिस्तानी खिलाड़ियों के इस अनप्रोफेशनल रवैये को देखकर क्रिकेट फैंस बुरी तरह भड़क गए हैं। सोशल मीडिया पर लोग पाकिस्तानी टीम और कोच की जमकर क्लास लगा रहे हैं और खेल के प्रति उनकी गंभीरता को लेकर तीखे तंज कस रहे हैं।

शर्मनाक हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली टीम

जंक फूड की इस भारी-भरकम पार्टी का हश्र भी पाकिस्तान के लिए बेहद बुरा रहा। मैदान पर फिटनेस और फुर्ती की कमी के चलते पाकिस्तानी टीम को बांग्लादेश के हाथों 23 रनों से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। इस शर्मनाक हार के साथ ही पाकिस्तान महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने वाली पहली टीम भी बन गई। इससे पहले टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में उसे चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत से हार मिली थी, जबकि 17 जून को दूसरे मैच में साउथ अफ्रीका ने उसे 2 विकेट से धूल चटाई थी। लगातार दो हार के बाद प्रैक्टिस में पसीना बहाने के बजाय टीम फास्ट फूड खाने में व्यस्त रही, जिसका नतीजा तीसरी हार के रूप में सामने आया। लगातार 3 हार के बाद सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो चुकी पाकिस्तानी टीम का अगला मुकाबला अब मजबूत ऑस्ट्रेलिया से है, जहां उनकी जीत किसी चमत्कार से कम नहीं होगी।

योग शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से बनाता है स्वस्थ एवं सशक्त : अनु कुमारी

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
22 जून (जितेंद्र गौतम)

विकास खण्ड झंडूता विधानसभा के अन्तर्गत पड़ने वाली ग्राम नघियार में नवनिर्वाचित प्रधान अनु कुमारी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नघियार पंचायत म में जिला आयुष विभाग के सौजन्य से आयोजितण्ल योग शिविरों में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने स्कूली बच्चों, स्थानीय लोगो एवं पंचायत प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न योगासनों का अभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि योग हमारी दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए तथा नियमित रूप से अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि योग का वास्तविक लाभ तभी प्राप्त होगा, जब इसे नियमित तौर पर सही विधि के अनुसार किया जाए। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ आत्मा का निवास होता है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति ही अपने परिवार, समाज, प्रदेश तथा देश के विकास में प्रभावी योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तनाव अनेक बीमारियों का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। ऐसे में लोगों को योग और ध्यान के माध्यम से स्वयं को तनाव मुक्त रखने का प्रयास करना चाहिए। योग जहां मानसिक शांति प्रदान करता है तो वहीं सकारात्मक ऊर्जा का भ प्रवाह करता है। उन्होंने सभी लोगों से प्रतिदिन योग करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व से परिपूर्ण है तथा इसे पर्यटन की दृष्टि से नघियार पंचायत में विकसित किए जाने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। नघियार पंचायत को पर्यटन मानचित्र पर इस क्षेत्र को स्थापित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक इको-टूरिज्म समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त वन विभाग के अधिकारियों को भी समिति से जोड़ा जाएगा ताकि क्षेत्र का विकास सामूहिक प्रयासों से किया जा सके। उन्होंने कहा कि स्थानीय संस्कृति, परंपराओं तथा पारंपरिक व्यंजनों को भी बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे यहां आने वाले पर्यटक हिमाचल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव कर सकें कहा कि इस पंचायत को आदर्श पंचायत के रूप में विकसित किया जाएगा। क्षेत्र के प्रत्येक गांव को बेहतर सड़क एवं पक्के रास्तो के अलावा संपर्क सड़क उपलब्ध करवाने हेतु प्रयासरत हैं जिसके लिए जनसहयोग अति आवश्यक है । उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सुगम एवं बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी ताकि ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से बेहतर ढंग से जोड़ा जा सके इस अवसर पर उन्होंने गांववासियों की जन समस्याओं को भी सुना व शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पंचायत सदस्य बलदेव, महिला मंडल प्रधान कुसुमलता,पूर्व महिला मंडल प्रधान आरती देवी, कुश धैर्य सैबू किशोरी लाल, शकुंतला देवी,नीनू भुमिका, सुनीता देवी,देवराज डा शक्ति चंद, सेवा निवृत्त अधिशाषी अभियंता ई हरीशचंद्र भारद्वाज, पुष्प राज, पुरषोत्तम, प्रेम चंद,रीनू संदीप, अनीता, मथुरा दास,सोनू पुंज, सन्तोष कुमारी, सहित अन्य ने इस बारहवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई इस अवसर पर प्रधान अनु कुमारी ने इस अन्तर्राष्ट्रीय 12 योगदिवस के सफल आयोजन के लिए पंचायत वासियों का आभार व्यक्त किया है।

झंडूता में योगमय हुआ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, विधायक जीतराम कटवाल ने किया योगाभ्यास

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल झंडूता में माहौल पूरी तरह से योगमय नजर आया। अनुलोम-विलोम तथा कपालभाति जैसी योग क्रियाओं के दौरान सांसों की लयबद्ध आवाज पूरे पंडाल में गूंजती रही। आयुष विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने भी सहभागिता सुनिश्चित की। 12वें योग दिवस पर स्कूली बच्चों, अध्यापकों तथा अन्य लोगों के साथ उन्होंने योग की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास किया।

जीतराम कटवाल ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। यह भारत की एक ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसने हजारों वर्षों से मानव जीवन को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन प्रदान किया है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, तनाव, अवसाद, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी चुनौतियों के बीच योग मानवता के लिए एक प्रभावी समाधान बनकर सामने आया है। नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ, मन शांत, विचार सकारात्मक और व्यक्तित्व प्रभावशाली बनता है।

जीतराम कटवाल ने कहा कि योग केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन, सकारात्मक सोच और सशक्त राष्ट्र निर्माण का महाअभियान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों से वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिकॉर्ड समय में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। इस समय विश्व के 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बना रहे हैं। यह भारत की संस्कृति, परंपरा और ज्ञान की वैश्विक स्वीकृति का प्रमाण है। मोदी देश के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में जनसेवा का नया अध्याय लिख रहे हैं। पिछले 12 वर्षों में भारत ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्तियों में शामिल होने के साथ ही भारत डिजिटल क्रांति का नेतृत्व भी कर रहा है। करोड़ों लोगों को जनधन खातों से बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा गया है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से साधनविहीन मातृ शक्ति को चूल्हे के धुएं से निजात दिलाई गई है। आयुष्मान भारत योजना से करोड़ों परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करोड़ों परिवारों को पक्के घर मिले हैं। किसानों, महिलाओं, युवाओं तथा गरीबों के कल्याण के लिए कई जनहितकारी योजनाएं लागू की गई हैं। देश आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प के साथ नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। योग इस संकल्प की एक मजबूत आधारशिला है। उन्होंने बच्चों समेत सभी प्रतिभागियों का आह्वान किया कि वे प्रतिदिन कुछ समय योग को अवश्य दें। नशे और अन्य बुरी आदतों से दूर रहने, स्वच्छता अपनाने, पर्यावरण संवारने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने से विकसित भारत का सपना अवश्य साकार होगा।

एयरो सिटी में मैक्स अस्पताल, ब्रह्मा कुमारिस द्वारा आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में 272 लोगों ने भाग लिया

» प्रथम न्यूज । मोहाली
22 जून (जगमीत घुम्मन)

मैक्स अस्पताल मोहाली व ब्रह्मा कुमारिस के सहयोग से रविवार को एयरो सिटी, मोहाली में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में 272 लोगों ने भाग लिया ।

कार्यक्रम में योगासन, श्वास व्यायाम,मेडिटेशन और माइंडफुल लिविंग और समग्र कल्याण के महत्व पर केंद्रित स्वास्थ्य जागरूकता सत्र शामिल थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, मैक्स में मेडिकल ऑन्कोलॉजी सलाहकार डॉ आकांक्षा ने कहा, योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को बनाए रखने का एक शक्तिशाली साधन है। नियमित अभ्यास से लचीलापन बढ़ाने, तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और समग्र कल्याण में योगदान करने में मदद मिल सकती है। प्रतिदिन कुछ मिनटों का योग भी किसी के स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है।

संत कबीर कॉलेज की नि:शुल्क शिक्षा योजना अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है

» प्रथम न्यूज । जीरा
22 जून (अंग्रेज बराड़)

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खोलते हुए, संत कबीर कॉलेज जीरा द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत अनुसूचित जाति के छात्रों को दी जा रही मुफ्त शिक्षा सैकड़ों परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से, छात्र बिना फीस के बोझ के उच्च शिक्षा प्राप्त करके अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए कॉलेज के अध्यक्ष श्री गुरचरण सिंह ने कहा कि प्रत्येक छात्र को अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिभाशाली छात्र की आर्थिक स्थिति उसकी शिक्षा और सपनों के मार्ग में बाधा नहीं बननी चाहिए। इसी उद्देश्य से कॉलेज पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत अनुसूचित जाति के छात्रों को मुफ्त शिक्षा की विशेष सुविधा प्रदान कर रहा है, जिससे बड़ी संख्या में छात्र लाभान्वित हो रहे हैं! कॉलेज के निदेशक डॉ. सुखदेव सिंह ने कहा कि शिक्षा सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि संत कबीर कॉलेज जीरा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुखी और व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि ऐसे सक्षम, कुशल और जिम्मेदार युवाओं को तैयार करना भी है जो अपने परिवार, समाज और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. वीरपाल ने अनुसूचित जाति के छात्रों और उनके अभिभावकों से पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत दी जा रही नि:शुल्क शिक्षा सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा बेहतर भविष्य, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन की कुंजी है। उन्होंने छात्रों को कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ अध्ययन करने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज प्रबंधन ने विश्वास व्यक्त किया कि संत कबीर कॉलेज जीरा आने वाले समय में छात्र कल्याण और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए इस प्रकार की जनहितकारी योजनाओं को जारी रखेगा ताकि कोई भी योग्य छात्र आर्थिक तंगी के कारण उच्च शिक्षा से वंचित न रहे और शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को सफल और समृद्ध बना सके।

Pratham News
@dainikprathamnews
मंगलवार, 23 जून 2026

प्रथम न्यूज

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website : www.prathamnews.in

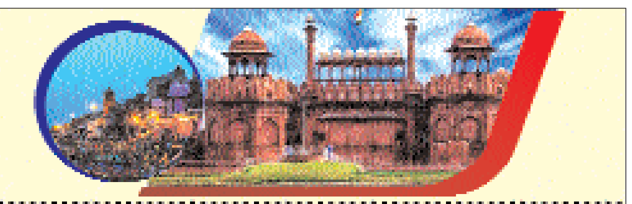

संक्षिप्त न्यूज

ड्यूटी में लापरवाही पर न्यू शिमला थाना के एसएचओ निलंबित

शिमला (एएम नाथ)– ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में न्यू शिमला थाना के एसएचओ को निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस विभाग में कार्य के प्रति किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरी पेशेवर प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। एसएसपी ने बताया कि पुलिस कर्मियों के कामकाज की नियमित निगरानी और समय-समय पर मूल्यांकन किया जा रहा है।

विशेष रूप से अन्वेषणाधीन मामलों में लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और लोगों को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जवाबदेही तय की जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले भी काम में लापरवाही के मामलों में कई पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है।

टिक्कर चौकी प्रभारी सहित विभिन्न थानों और चौकियों के प्रभारियों पर भी विभागीय कार्रवाई अमल में लाई गई थी। वहीं, थानों और चौकियों में कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए पुलिस विभाग ने एक समय में 10 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को अवकाश देने पर रोक लगा रखी है।

एसएसपी गौरव सिंह ने दोहराया कि पुलिस बल में अनुशासन और कार्यकुशलता बनाए रखने के लिए निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है तथा लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कदम आगे भी जारी रहेंगे।

लखनऊ अग्निकांड में 3 गिरफ्तार, 4 अफसर सस्पेंड, CM योगी ने लिया एक्शन

लखनऊ (ब्यूरो)– राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र स्थित एक कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में रामकृष्ण उपाध्याय, वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला और तूशॉक कृष्णा जायसवाल शामिल हैं। इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

हादसे की गंभीरता को देखते हुए बिजली विभाग और लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के चार अधिकारियों को भी निलंबित कर दिया गया है। इनमें बिजली विभाग के एक्सईएन गौरव कुमार, अग्निशमन अधिकारी कमलेंद्र कुमार सिंह, स्र्छ के एई अनिल कुमार और जेई प्रमोद पांडे शामिल हैं।

जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) का गठन

मुख्यमंत्री के निर्देश पर मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है। एसआईटी में अमृत अभिजात और प्रवीण कुमार को शामिल किया गया है। जांच दल को सात दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख अनुग्रह राशि देने की घोषणा – इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शोक व्यक्त किया है और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

159 दवाएं सैंपल क्वालिटी टेस्ट में फेल; एक नकली दवा भी पकड़ी, सेंट्रल ड्रग्स लैबोरेटरीज की रिपोर्ट में खुलासा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
22 जून (ब्यूरो)

स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सेंट्रल ड्रग्स लैबोरेटरीज ने मई के लिए अपनी मासिक ड्रग अलर्ट रिपोर्ट में अलग-अलग कंपनियों द्वारा बनाई गई 46 दवाओं के सैंपल को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा राज्य स्तरीय दवा परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 दवाओं के सैंपल को भी NSQ पाया है।

हर महीने जारी होती है निगरानी रिपोर्ट

बता दें कि यह जानकारी नियमित निगरानी प्रक्रिया के तहत हस्तऔर नकली दवाओं की सूची हर महीने सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (CDSCO) के पोर्टल पर जारी की जाती है।

आखिर NSQ दवा का मतलब क्या है?

किसी दवा के सैंपल को हस्त तब माना जाता है, जब वह तय गुणवत्ता मानकों में से एक या अधिक परीक्षणों में फेल हो जाता है। हालांकि यह कमी केवल उस विशेष बैच तक सीमित होती है जिसकी जांच की गई है। इसका मतलब यह नहीं है कि बाजार में उपलब्ध उसी दवा के सभी उत्पाद खराब हैं।

असम में मिली एक नकली दवा

मई 2026 के दौरान असम से एक दवा के सैंपल को नकली पाया गया। अधिकारियों के अनुसार, इस दवा को कुछ अनधिकृत निर्माताओं ने दूसरी कंपनी के ब्रांड नाम का इस्तेमाल करके तैयार किया था। अधिकारियों ने बताया कि इस पूरे मामले की जांच जारी है और रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ कानून और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

भरत तिवारी एनकाउंटर : सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार, याचिकाकर्ता को रजिस्ट्रार के पास जाने का निर्देश

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
22 जून (ब्यूरो)

सुप्रीम कोर्ट ने भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में दायर याचिका पर जल्द सुनवाई की तारीख तय करने से इनकार कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया है कि वह रजिस्ट्रार के समक्ष मामले का उल्लेख करे, जिसके बाद आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी। इस याचिका में घटना की सीबीआई जांच कराने और सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग की गई है।

यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर की गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि बिहार के भोजपुर जिले में हुई पुलिस मुठभेड़ में भरत भूषण तिवारी की मौत एक न्यायेतर हत्या का मामला हो सकती है, इसलिए इसकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच बेहद जरूरी है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जाए। घटना बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौती गांव की बताई जा रही है, जहां बुधवार को पुलिस और एक व्यक्ति के बीच फायरिंग हुई थी। पुलिस का दावा है कि अभियान के दौरान भरत भूषण तिवारी ने पुलिस टीम पर गोली चलाई, जिसके बाद आत्मरक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस गोलीबारी में भरत भूषण तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई थी। इस बीच बिहार सरकार ने भी मामले को लेकर न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बिलौती गांव में हुई मुठभेड़ की जांच पटना हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाएगी। सरकार का कहना है कि इस जांच से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ समीक्षा सुनिश्चित होगी।

उधर, इस मामले में प्रशासनिक कार्रवाई भी की गई है। बिहार पुलिस ने एक थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एक कथित वीडियो सामने आने के बाद की गई, जिसमें एक हथियारबंद व्यक्ति पुलिस बल की ओर पिस्तौल ताने हुए दिखाई दे रहा है और पुलिसकर्मियों पर समय पर प्रतिक्रिया न देने के आरोप लगाए गए हैं।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से किया जाए निपटारा : विश्राम कुमार मीणा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
22 जून (बृज मोहन)

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को अधिकारी गंभीरता से लें। शिविर में प्राप्त शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए ताकि लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसके साथ-साथ जो भी शिकायतें प्राप्त होती हैं, उन्हें पोर्टल पर अपलोड करें । इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं को सुन रहे थे, उन्होंने मौके पर अधिकारियों को कहा तय समय सीमा के अंदर संबंधित शिकायतों का निपटारा करें। बैठक में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिन विभागों की शिकायतें लंबित पड़ी हुई है, उनका जल्द समाधान करते हुए आमजन को राहत प्रदान करें। समाधान शिविर सरकार के सुशासन के संकल्प को जमीनी स्तर पर उतारने का एक प्रभावी माध्यम है। सभी विभागाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिकायत को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निपटाया जाए। गुणवत्तापूर्ण एटीआर पोर्टल पर अपलोड की जाए ताकि वह शिकायत दोबारा से न खुले। जिन शिकायतों का समाधान संभव नहीं है, उन्हें रिजेक्ट की श्रेणी में डाले। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि समाधान शिविर जनसेवा का सशक्त माध्यम है। इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी सेवाओं से जुडी बाधाओं को दूर करना और जनता की शिकायतों का मौके पर ही निपटान करना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार को प्रात: 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन एवं अन्य संबंधित शिकायतों का मौके पर समाधान किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित दिनों में शिविर में पहुंचकर समस्याओं का समाधान करवाएं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन ने कहा कि पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों का तय समय सीमा में समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर संबंधित पुलिस थानों का जब निरीक्षण किया जाता है तब भी समाधान शिविर से संबंधित जो समस्या आती हैं उनके बारे में विस्तार से चर्चा की जाती है। इस बारे में अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं की आम व्यक्ति की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान हो और उसे बार-बार विभाग के चक्कर न काटने पड़े।

इस मौके पर सीएम एमिनेंट पर्सन, गगन कोहली ,जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विकास कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित है।

पाकिस्तान की गीदड़भभकियों से फर्क नहीं पड़ता, भारत अपना काम करेगा : शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली (ब्यूरो)– भाजपा प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के भारत के पानी को लेकर दिए गए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तान की गीदड़भभकियों से भारत पर कोई असर नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि देश में मजबूत नेतृत्व और सक्षम सरकार है, जो राष्ट्रीय हितों के अनुसार निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि भारत का पानी पाकिस्तान जाए और बदले में आतंकवाद व हिंसा मिले, यह किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। राजस्थान में मस्जिदों के ध्वस्तीकरण को लेकर असदुद्दीन ओवैसी की टिप्पणी पर शाहनवाज हुसैन ने कहा कि सरकार केवल अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करती है, चाहे वह किसी भी धर्म से संबंधित हों। वैध धार्मिक स्थलों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया जाता। पंजाब में भाजपा की संभावनाओं पर उन्होंने कहा कि राज्य की जनता कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और अकाली दल के शासन को देख चुकी है तथा अब विकास और बदलाव के लिए भाजपा की ओर उम्मीद से देख रही है।

वहीं भाजपा सांसद विवेक ठाकुर ने शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों के शिंदे गुट में जाने को नेतृत्व में विश्वास की कमी का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब में कानून-व्यवस्था और शासन से लोग निराश हैं तथा भाजपा को विकल्प के रूप में देख रहे हैं। बिहार में कानून व्यवस्था पर तेजस्वी यादव की टिप्पणी को उन्होंने हास्यास्पद बताते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने राज्य में सुशासन स्थापित किया है।

पंजाबी फिल्म 'नवा पंजाब' की पीमस हॉस्पिटल में शूटिंग शुरू

» प्रथम न्यूज । जालंधर
22 जून (डोगरा)

पंजाब की मिट्टी से जुड़ी आगामी राजनीतिक एक्शन-ड्रामा फिल्म नवा पंजाब की शूटिंग पीमस हॉस्पिटल में चल रही है यह फिल्म एक ऐसे युवक रणवीर की प्रेरणादायक और भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करती है, जिसने मात्र 12 वर्ष की उम्र में अपने बचपन का बलिदान देकर चार बच्चों का भविष्य संवारने का संकल्प लिया। यह कहानी केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि त्याग, संघर्ष और समाज परिवर्तन की उस सोच की है, जो पूरे पंजाब को नई दिशा देने का सपना देखती है। फिल्म में रणवीर का किरदार एक ऐसे युवा के रूप में सामने आता है, जो बचपन से ही अपने भाई-बहनों की जिम्मेदारी उठाता है। वह उनके लिए मां और पिता दोनों की भूमिका निभाता है तथा उन्हें बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए अपने सभी सपनों और खुशियों का त्याग कर देता है।

कहानी में नया मोड़ तब आता है जब विश्व चैंपियन जॉन राइट भारतीय युवाओं को ज़ीरो कहकर चुनौती देता है। पंजाब की आन-बान और शान की रक्षा के लिए रणवीर बॉक्सिंग रिंग में उतरता है। शुरुआती दौर में बुरी तरह घायल होने के बावजूद वह हार नहीं मानता और अपने भाई-बहनों की आवाज सुनकर दोबारा खड़ा होता है। अंतत: वह विश्व चैंपियन को नॉकआउट कर यह साबित कर देता है कि पंजाब की मिट्टी में अदम्य साहस और जज़्बा बसता है।

इसके बाद रणवीर कॉलेज राजनीति में प्रवेश करता है, जहां उसका सामना सत्ता के संरक्षण में चल रहे ड्रग्स और अपराध के नेटवर्क से होता है। वह छात्र राजनीति के माध्यम से भ्रष्ट व्यवस्था को चुनौती देता है और पंजाब को देश का नंबर एक राज्य बनाने का संकल्प लेता है। यहां तक कि वह अपने व्यक्तिगत प्रेम को भी अपने मिशन के आगे महत्व नहीं देता। फिल्म का सबसे भावुक और चौंकाने वाला मोड़ तब आता है जब राजनीतिक साजिश के तहत रणवीर पर जानलेवा हमला करवाया जाता है। पूरे पंजाब में उसकी सलामती के लिए दुआएं की जाती हैं और जनता उसे पंजाब केसरी की उपाधि देती है। इसी दौरान यह खुलासा होता है कि जिन चार बच्चों के लिए उसने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया, वे उसके सगे भाई-बहन नहीं बल्कि उसके पड़ोसियों के बच्चे थे, जिनके माता-पिता की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। कहानी के अंतिम चरण में रणवीर मौत को मात देकर वापसी करता है और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ देता है। हालांकि इस संघर्ष में उसका छोटा भाई अपने बड़े भाई की रक्षा के लिए स्वयं का बलिदान दे देता है। भाई की शहादत को अपनी ताकत बनाकर रणवीर राजनीति में प्रवेश करता है, चुनाव जीतता है और भ्रष्टाचार-मुक्त नवा पंजाब की नींव रखता है। फिल्म का संदेश स्पष्ट है कि यदि निस्वार्थ भावना, दृढ़ इच्छाशक्ति और समाज के प्रति समर्पण हो तो एक अकेला व्यक्ति भी पूरे सिस्टम को बदलने की ताकत रखता है। नवा पंजाब केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि त्याग, नेतृत्व और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणादायक गाथा है।

मां के घर से निकलते ही दरिंदगी की शिकार बनी मासूम, मुंगेर में 7 साल की बच्ची से किशोर ने किया दुष्कर्म

» प्रथम न्यूज । मुंगेर
22 जून (ब्यूरो)

शामपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। घर में अकेली सात वर्षीय बच्ची के साथ पड़ोस के एक किशोर ने दुष्कर्म किया। घटना रविवार देर शाम की है।

बच्ची की मां ने शामपुर थाने में आवेदन देकर आरोपित किशोर को नामजद किया है। आवेदन में मां ने पुलिस को बताया कि वह किसी काम से घर से बाहर गई थी। घर में बेटी अकेली थी। इसी दौरान पड़ोस का रहने वाला एक किशोर घर में घुस आया और गंदा काम किया।

जब वह वापस लौटी तो बेटी ने रोते हुए सारी बात बताई। इसके बाद वह थाना पहुंची और पुलिस को सूचना दी। हवेली खड़गपुर एसडीपीओ अनिल कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर अरविंद कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़िता से पूछताछ की।

मां के आवेदन पर केस दर्ज, कस्टडी में आरोपी

एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर जरूरी साक्ष्य एकत्र किए। प्रभारी थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि मां के आवेदन पर केस दर्ज कर लिया गया है। बच्ची को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। आरोपित को पुलिस संरक्षण में लिया गया है।

15 साल का है आरोपी

एसपी सैयद इमरान मसूद ने बताया कि सूचना मिलते ही एसडीपीओ और एफएसएल की टीम को भेजा गया। जांच में सामने आया कि आरोपित की उम्र 15 वर्ष है और पीड़िता का रिश्तेदार लगता है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में किसी को बख्शा नहीं जाएगा। घटना के बाद गांव में आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने आरोपित पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सावधान! विज्ञापन में दिखने वाला चेहरा नकली तो नहीं?

AI इनफ्लुएंसर्स का बढ़ा खेल; ग्राहकों से छिपाई जा रही सच्चाई

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
22 जून (ब्यूरो)

सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करते हुए आप जिस मॉडल या चेहरे को देखकर कोई सामान खरीदने की सोच रहे हैं, मुमकिन है कि वह कोई इंसान ही न हो।

हम ये बात इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि एक नई और चौंकाने वाली रिपोर्ट के मुताबिक, कई बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स के प्रचार के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से बने नकली इन्फ्लुएंसर्स का इस्तेमाल कर रही हैं। ये तस्वीरें और वीडियो इतने असली लगते हैं कि आम ग्राहकों को लगता है कि कोई सच्चा उपभोक्ता अपना असली अनुभव साझा कर रहा है।

एग्रीमेंट का खेल- सच छिपाने की साजिश : इस खेल में पारदर्शिता को पूरी तरह खत्म करने के लिए कंपनियां एक नया तरीका अपना रही हैं। कंपनियां एआई कंटेंट बनाने वाले क्रिएटर्स (डिजाइनर्स) से बकायदा नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट (NDA) साइन करवा रही हैं।

इस एग्रीमेंट के तहत क्रिएटर्स कानूनी रूप से बंध जाते हैं और वे दुनिया को यह नहीं बता सकते कि विज्ञापन में दिखने वाला चेहरा असली नहीं बल्कि कंप्यूटर से बनाया गया है। इसका कारण है कि कंपनियों के लिए असली मॉडल्स और फोटोशूट के मुकाबले एआई से विज्ञापन तैयार कराना काफी ज्यादा सस्ता पड़ता है।

भ्रम का खतरा- असली-नकली की पहचान मुश्किल

बढ़ते ऐसे मामले को देखते हुए विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि विज्ञापनों में एआई के इस बढ़ते इस्तेमाल से ग्राहकों का भरोसा पूरी तरह टूट सकता है। इसके कुछ बड़े उदाहरण भी सामने आए हैं। जैसे कि अमेरिका के एक फोटो ऐप वंस (Once) के विज्ञापन में कुछ दुल्हनें अपना अनुभव बताती दिखीं, लेकिन बारीकी से जांच करने पर पता चला कि वे चेहरे एआई से बने थे। ऐसे हीं दुबई के एक मशहूर फैशन ब्रांड एशले ने भी ऐसे ही विज्ञापन पोस्ट किए, जिनमें ध्यान से देखने पर एआई की तकनीकी कमियां (जैसे उंगलियों या चेहरों का अजीब दिखना) साफ नजर आईं।

नियमों की स्थिति- भारत बनाम ब्रिटेन

गौरतलब है कि इस डिजिटल खतरे से निपटने के लिए अलग-अलग देशों में अलग कानून हैं। हालांकि बात अगर केवल भारत और ब्रिटेन की करें। आइए जानते हैं इन दोनों देशों में इसके लिए क्या नियम है और उसकी स्थिति क्या है?

इतना ही नहीं इस पूरे मामले को लेकर अब उपभोक्ता संगठन अब लगातार मांग कर रहे हैं कि विज्ञापनों में पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए, ताकि ग्राहकों के अधिकारों और उनके भरोसे की रक्षा की जा सके।

प्रथम न्यूज के लिए संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक विवेक धीर द्वारा मकान नंबर 143-ए, आदर्श नगर, जालंधर (पंजाब) से प्रकाशित एवं न्यू दशमेश प्रिंटर्ज 178-179 रणजीत नगर, जालंधर (पंजाब) से मुद्रित। फोन : 7973508344 । सभी विचारों का न्यायाधिकार क्षेत्र जालंधर होगा। R.N.I. Regd. NO. PUNHIN/ 2010/36540